डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/ 110/2024-26

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष :13 | अंक : 73 | पेज: 8 | जयपुर, गुरुवार, 20 फ़रवरी 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

एमपी और राजस्थान में एक्सीडेंट, 10 की मौत

● डंपर ने लोडिंग वाहन को टक्कर मारी,5 की गई जान ● महाकुंभ से लौट रही कार ट्रेलर में जा घुसी,5 की मौत

भिंड (एजेंसी)। भिंड के जवाहरपुरा गांव के पास तेज रफ्तार डंपर ने सड़क किनारे खड़े लोडिंग वाहन को टक्कर मार दी। हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई। 20 घायल हैं। लोडिंग वाहन को टक्कर मारने के बाद डंपर ने बाइक को भी चपेट में ले लिया। एक्सीडेंट नेशनल हाईवे क्रमांक 719 पर मंगलवार सुबह करीब 5 बजे हुआ। हादसे के शिकार सभी लोग जवाहरपुरा गांव में शादी से अपने गांव भवानीपुरा लौट रहे थे। सभी आपस में रिश्तेदार हैं। डंपर ड्राइवर मौके से भाग निकला। हादसे के बाद ग्रामीणों ने जाम लगा दिया। हाईवे को सिक्सलेन बनाने की मांग करते हुए कलेक्टर, एसपी और सांसद समेत अन्य जनप्रतिनिधियों के खिलाफ नारेबाजी

की। मौके पर मौजूद पुलिस अधिकारियों ने उन्हें समझाने की कोशिश की लेकिन वे नहीं माने। उधर दौसा राजस्थान में हुए भीषण सड़क हादसे में पति-पत्नी समेत 5 लोगों की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार महाकुंभ से लौट रहे यात्रियों की कार सड़क किनारे खड़े ट्रेलर में पीछे से टकरा गई। हादसा मंगलवार सुबह करीब 11 बजे दौसा शहर के बाइपास पर हुआ। कार में 6 लोग सवार थे। गाड़ी में फंसे 5 शवों को निकालने में करीब एक घंटे का समय लगा। तीन घायलों को जिला हॉस्पिटल में एडमिट कराया गया। गाड़ी के कुछ हिस्से तोड़कर घायलों को निकाला गया। कार सवार 5 लोग टोंक के देवली के रहने वाले थे।

सऊदी में यूक्रेन युद्ध विराम के लिए शुरू हुई बातचीत

जेलेंस्की को किया किनारे,ट्रंप की चाल से टेंशन में यूरोप

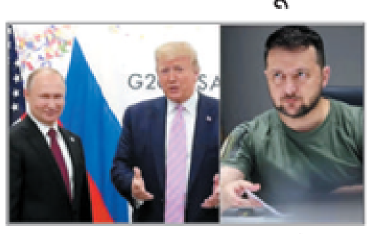

रियाद (एजेंसी)। अमेरिका और रूस के अधिकारियों ने सऊदी अरब में यूक्रेन युद्ध मुद्दे पर बैठक की है। रियाद में मंगलवार को हुई इस बैठक में रूस की तरफ से बिदेश मंत्री सर्गेई लावरोव और राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन के बिदेश नीति सलाहकार यूरी उशाकोव शामिल हुए। अमेरिका की ओर से विदेश मंत्री मार्को रुबियो,राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार माइक वाल्ट्ज और पश्चिम एशिया के लिए डोनाल्ड ट्रंप के विशेष दूत स्टीव बिट्कॉफ बैठक में मौजूद रहे। यूक्रेन को इस बैठक में नहीं बुलाया गया है, जिस पर यूरोप की ओर से फिक्र जाहिर की गई है।

अयोध्या राम मंदिर पर उड़ रहे ड्रोन को मार गिराया

पुलिस को शक-भगदड़ मचाने की साजिश हो सकती है

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या में राम मंदिर परिसर में भीड़ के बीच उड़ रहे ड्रोन को मार गिराया है। सोमवार शाम गेट नंबर-3 पर ड्रोन उड़ता हुआ पहुंच गया था। उस वक्त रामलला के दर्शन के लिए जबरदस्त भीड़ थी। सूत्रों के मुताबिक, एंटी-ड्रोन सिस्टम ने ड्रोन को मार गिराया। इसके बाद सुरक्षा कर्मी अलर्ट हो गए। बम स्क्वॉड टीम को बुलाया गया। ड्रोन की जांच की गई। ड्रोन कैमरा उड़ाने वाले की तलाश की जा रही है। अयोध्या पुलिस को शक है कि यह भगदड़ मचाने की साजिश हो सकती है, क्योंकि राम मंदिर क्षेत्र में ड्रोन उड़ाना प्रतिबंधित है।

बीजेपी-शिवसेना में बढ़ती जा रही दूरी !

सुरक्षा में कटौती किए जाने से नाखुश हैं शिंदे के विधायक

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में हमेशा राजनीतिक हलचल मची रहती है। नवंबर महीने में महाराष्ट्र में महायुति गठबंधन की प्रचंड बहुमत के साथ सरकार बनी। उसके बाद देवेंद्र फडणवीस को राज्य का मुख्यमंत्री बनाया गया। बताया जा रहा है कि इससे पूर्व

मुख्यमंत्री और बर्तमान डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे नाराज हैं। गठबंधन में शिवसेना शामिल है। इस बीच एक बार फिर से बड़ी खबर आई है। शिवसेना के करीब 25 मौजूदा और पूर्व विधायकों की सिक्योरिटी में कटौती करने का फैसला महाराष्ट्र पुलिस ने किया है। इसको लेकर शिवसेना नेताओं ने नाराजगी जाहिर की है।

महाकुंभ में कम नहीं हो रहा श्रद्धालुओं का 'रेला'

● रोड पर गाड़ियां तो संगम में लगा नावों का जमघट
● जेटी ओवरलोड हुई तो पुलिस ने कर दी बेरिकेडिंग

प्रयागराज (एजेंसी)। महाकुंभ में अब सिर्फ 8 दिन बचे हैं, लेकिन श्रद्धालुओं की भीड़ कम नहीं हो रही है। एक ओर सड़कों पर गाड़ियां रेंग रही हैं तो दूसरी ओर संगम में नावों का जाम लग गया। शाम 4 बजे तक 99 लाख श्रद्धालुओं ने स्नान किया। 37 दिनों में 55.31 करोड़ श्रद्धालु स्नान कर चुके हैं। संगम आने वाले रास्तों पर लंबा जाम लगा है। पुलिस डायवर्जन के लिए टीन शेड लगा रही है। अरैल घाट पर वीआईपी जेटी में मानक (40) से ज्यादा लोग चढ़ गए हैं। ये सभी वीआईपी कोटे से दाखिल हुए थे। पुलिस ने कुछ लोगों को उतारा। बेरिकेडिंग कर भीड़ को जेटी की ओर आने से रोका। वहीं, महाकुंभ आ रही एक कार में आग लग गई। घटना बैरहना मुहल्ले की है। कार काफी जल गई। अभिनेत्री जूही चावला ने भी संगम में स्नान किया और कहा कि मेरी जिंदगी की सबसे अच्छी सुबह थी। केंद्रीय मंत्री

प्रह्लाद जोशी संगम में डुबकी लगाने पहुंचे। अरैल घाट पर मधुमक्खी का छत्ता टूट गया। इससे घाट पर स्नान कर रहे श्रद्धालु बचते हुए संगम से बाहर निकलते नजर आए। पुलिस बाहर से आने वाली गाड़ियों को शहर में एंट्री से पहले ही रोक रही है। वहां से शटल बस और ई-रिक्शा चल रहे हैं, लेकिन भीड़ ज्यादा होने के चलते श्रद्धालुओं को संगम तक पहुंचने के लिए पैदल चलना पड़ रहा है।

'मृत्यु कुंभ' में बदल गया है प्रयागराज महाकुंभः ममता

कोलकाता (एजेंसी)। प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा, यह महाकुंभ मृत्यु कुंभ में बदल गया है। मैं महाकुंभ का और पवित्र गंगा मां का सम्मान करती हूं। उन्होंने कहा कि महाकुंभ के लिए कोई प्लानिंग नहीं की गई है। भगदड़ में कई लोग मारे गए लेकिन कितने उनके बारे में कुछ पता नहीं चल रहा है। कई लोग मिले ही नहीं। ममता ने कहा- महाकुंभ में अमीरों और वीआईपी लोगों के लिए 1 लाख रुपए तक के टेंट मौजूद हैं। गरीबों के लिए कोई व्यवस्था नहीं है। मेले में भगदड़ की स्थिति आम है, लेकिन व्यवस्था करना जरूरी है। आपने (यूपी सरकार) क्या योजना बनाई है। ममता ने यह बयान विधानसभा में बजट सत्र के दौरान दिया।

दिल्ली सरकार का शपथ ग्रहण कल, समय बदला

अब रामलीला मैदान में सुबह 11 बजे होगा समारोह

आज विधायक दल की बैठक में चुना जाएगा सीएम

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा चुनाव रिजल्ट के 12 दिन बाद 20 फरवरी को नए मुख्यमंत्री रामलीला मैदान में शपथ लेंगे। सूत्रों के मुताबिक शपथ ग्रहण समारोह के समय में बदलाव हुआ है। शपथ समारोह 4.30 बजे की जगह अब 11 बजे होगा। हालांकि, भाजपा ने अब तक सीएम फेस तय नहीं किया है। पार्टी विधायक दल की बैठक 19 फरवरी को 3.30 बजे बुलाई गई है, जिसमें सीएम की घोषणा होगी। भाजपा सूत्रों के मुताबिक शपथ ग्रहण कार्यक्रम दिल्ली के रामलीला मैदान में होगा। इसमें प्रधानमंत्री मोदी, केंद्रीय मंत्री, भाजपा और एनडीए शासित 20 राज्यों के मुख्यमंत्री और डिप्टी सीएम शामिल होंगे। इसके अलावा उद्योगपति, फिल्म स्टार, क्रिकेट खिलाड़ी, साधु-संत और राजनयिक भी आएंगे। भाजपा सूत्रों के मुताबिक, दिल्ली के 12 से 16 हजार लोगों को भी बुलाने की तैयारी की गई है। कार्यक्रम की व्यवस्था की देखरेख के लिए भाजपा महासचिव विनोद तावड़े और तरुण चुघ को प्रभारी बनाया गया है।

राष्ट्रपति भवन में कतर के अमीर का जबरदस्त स्वागत

● गार्ड ऑफ ऑनर मिला,राष्ट्रपति के साथ पीएम रहे मौजूद ● हैदराबाद हाउस में प्रधानमंत्री मोदी से की द्विपक्षीय बातचीत

नई दिल्ली (एजेंसी)। कतर के अमीर तमीम बिन हमाद अल-थानी का मंगलवार को राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और पीएम मोदी ने स्वागत किया। इस दौरान उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। कतर अमीर ने सरकार के वरिष्ठ मंत्रियों से भी मुलाकात की। अमीर अल-थानी और पीएम मोदी के बीच हैदराबाद हाउस में बैठक हुई। केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी, पीयूष गोयल, निर्मला सीतारमण, मनसुख मंडाविया और पीके मिश्रा इस बैठक का हिस्सा थे। दोनों पक्षों ने व्यापार, प्रौद्योगिकी और निवेश में कई समझौता ज्ञापनों का भी आदान-प्रदान किया। अमीर अल-थानी कल रात यानी 17 फरवरी को भारत पहुंचे थे। खुद पीएम मोदी प्रोटोकॉल तोड़कर उन्हें रिसीव

करने दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पहुंचे थे। इस दौरान विदेश मंत्री एस जयशंकर भी मौजूद थे। कतर के अमीर 17 फरवरी को दो दिन की भारत यात्रा पर पहुंचे हैं। यह अमीर की कतर की दूसरी भारत यात्रा है। इससे पहले वे मार्च 2015 में भारत आए थे। कतर अमीर अल-थानी की इस यात्रा का मकसद द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करना है। साल 2024 के अंत में विदेश मंत्री एस जयशंकर कतर पहुंचे थे। यहां उन्होंने कतर के प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री मोहम्मद बिन अब्दुल रहमान अल थानी से मुलाकात की थी। यह एक साल में उनकी चौथी कतर यात्रा थी। भारत और कतर के बीच सोमवार को दिल्ली में 2 समझौता ज्ञापन पर साइन हुए। इस दौरान केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल और कतर के वाणिज्य और उद्योग मंत्री शेख फैसल बिन थानी बिन फैसल अल थानी मौजूद रहे हैं। दोनों ने भारत-कतर के बीच ज्वाइंट ट्रेड फोरम की शुरुआत की। पीयूष गोयल ने मीडिया से बात कर इस बारे में जानकारी दी।

यूपी की जीडीपी में 3.50 लाख करोड़ रुपए जोड़ेगा महाकुंभ

● हिट हो गया सीएम योगी का स्प्रिचुअल टूरिज्म वाला फंडा

लखनऊ (एजेंसी)। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि स्नानार्थियों की संख्या 60 करोड़ तक पहुंचती है तो अनुमान है कि यूपी की जीडीपी में 3.15 से 3.50 लाख करोड़ रुपये की अतिरिक्त बढ़ोतरी होगी। महाकुंभ का विरोध करने वालों से हमारी इकॉनमिक्स बेहतर है। अगर केंद्र-राज्य की तरफ से मिलकर 7500 करोड़ रुपये खर्च करके

अर्थव्यवस्था में तीन से साढ़े तीन लाख करोड़ की अतिरिक्त वृद्धि हो सकती है तो कौन सा सौदा सही है। अपनी संस्कृति और परंपराओं को सम्मान देकर किस तरह देश की एकता और आर्थिकी को प्रोत्साहित किया जा सकता है, यह महाकुंभ के अवसर पर सहज ही अनुभव किया जा सकता है। योगी सोमवार को अपने सरकारी आवास पर महाराष्ट्र से आए युवा उद्यमियों से संवाद कर रहे थे। युवा भारत संस्था के तत्वावधान में मुंबई के औद्योगिक घरानों से जुड़े उद्यमी संवाद में शामिल हुए।

● **14 करोड़ लगाने वाले ने 21 दिन में मुनाफा कमा लिया**- योगी ने महाकुंभ के आर्थिक पक्ष से जुड़ा एक किस्सा साझा करते हुए कहा कि आस्था को सम्मान देने के साथ इसका इकॉनमिक आस्पेक्ट भी अहम है। एक निवेशक प्रयागराज में निवेश करना चाहते थे। उन्होंने बताया कि आस्था के अनुरूप द्वादश ज्योतिर्लिंग की रिप्लिका बनाएंगे। उनसे कहा गया कि रॉ मटीरियल (पुराना लोहा, फाइबर, टायर, स्टील) का इस्तेमाल करते हुए इसे बनाओ। उन्होंने कहा कि पैसा मैं लगाऊंगा, प्रॉफिट 50-50 होगा। इसके लिए नगर निगम ने 11 एकड़ लैंड भी दिया।

रमजान में 4 बजे ही मुस्लिम कर्मचारियों को मिलेगी छुट्टी

तेलंगाना में कांग्रेस सरकार के आदेश से बीजेपी आगबबूला

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना की रेवंत रेड्डी सरकार ने रोजेदारों को रमज़ान के महीने में बड़ा तोहफा दिया है। कांग्रेस सरकार ने रमजान के दौरान मुस्लिम कर्मचारियों के काम के घंटे कम करने का ऐलान किया है। इसके बाद से तेलंगाना की राजनीति पारा अचानक गरम भी हो

गया है। इस फैसले पर बीजेपी ने तीखी प्रतिक्रिया दी है और इसे कांग्रेस का तुष्टिकरण करार दिया है। बीजेपी ने सवाल उठाते हुए कहा है कि नवरात्रि के व्रत के दौरान हिंदुओं को ऐसी कोई छूट नहीं दी जाती है। इस बीच, तेलंगाना का अल्पसंख्यक कल्याण विभाग रमजान के पवित्र महीने के लिए ऐतिहासिक मक्का मस्जिद और शाही मस्जिद में व्यापक इंतजाम कर रहा है।

म्यांमार के गृहयुद्ध ने बढ़ाई भारत की चिंता

चीन का डबल गेम,अमेरिकी प्लान और बांग्लादेश कर रहे 'खेला'

नेपीडा (एजेंसी)। म्यांमार बीते चार साल से गृहयुद्ध से जूझ रहा है। म्यांमार में जुंटा कहने वाले सैन्य शासक और विद्रोही गुट आमने-सामने हैं। म्यांमार में चुनावों में धांधली का आरोप लगाकर सेना ने आंग सान सू की सरकार का तख्तापलट किया था। जनरल मिन आंग ह्लाइंग के नेतृत्व में हुए इस तख्तापलट के बाद बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन और सशस्त्र प्रतिरोध शुरू हो गया, जो एक भीषण गृहयुद्ध में बदल गया। जुंटा को हालिया दिनों में पीपुल्स डिफेंस फोर्सेज, अराकान आर्मी, कचिन इंडिपेंडेंस आर्मी और करेन नेशनल यूनियन के विद्रोही लड़ाकों के खिलाफ लड़ाई में म्यांमार पर अपनी पकड़ खोनी पड़ी है। इस सब में भारत समेत पड़ोसी देशों की नजर म्यांमार पर है। भारत के सामने खासतौर से चुनौती है

क्योंकि चीन म्यांमार में दोहरा खेल खेल रहा है तो अमेरिका भी नियंत्रण बढ़ाना चाहता है। एक अन्य पड़ोसी बांग्लादेश भी म्यांमार में भूमिका रखता है। इस सबमें भारत को अपने हितों को बचाना है। भारत म्यांमार और बांग्लादेश की स्थिति को लेकर चिंतित है लेकिन भारत सीधे सैन्य हस्तक्षेप से बचना चाहता है। भारत अमेरिका, सऊदी अरब और यूएई जैसे देशों के साथ मिलकर काम कर रहा है। भारत बांग्लादेश को फिर से धर्मनिरपेक्ष बनाने के लिए दबाव बना रहा है।

रॉयल पत्रिका संपादकीय

रहस्यमय अनुदान उठते सवाल, विदेशी सहायता पर बढ़ाई निगरानी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को अपने इस सवाल का जवाब खुद ही देना चाहिए कि आखिर हम मतदान बढ़ाने के लिए भारत को 21 मिलियन डालर क्यों दें? उन्हें इस सवाल का जवाब इसलिए देना चाहिए, क्योंकि भारत में भी यह पूछा जा रहा है कि मतदान बढ़ाने के लिए अमेरिका से अनुदान क्यों आ रहा था?

चूंकि यह भी सामने आना चाहिए कि अमेरिकी अनुदान कैसे और कहां खर्च किया जा रहा था, इसलिए बेहतर होगा कि भारत भी अपने स्तर पर जांच करे। इस रहस्यमय अनुदान की तह तक जाने की आवश्यकता इसलिए भी है, क्योंकि पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एसवाई कुरैशी ने मतदान बढ़ाने के नाम पर अमेरिका से अनुदान मिलने से तो इनकार किया, लेकिन यह माना कि निर्वाचन आयोग ने 2012 में इंटरनेशनल फाउंडेशन फॉर इलेक्ट्रोरल सिस्टम से समझौता किया था।

यह अरबपति अमेरिकी निवेशक जार्ज सोरोस की संस्था ओपेन सोसायटी से जुड़ा है, जिसे यूनाइटेड स्टेट्स एजेंसी फार इंटरनेशनल डेवलपमेंट यानी यूएसएड से सहायता से मिलती थी। कहीं ऐसा तो नहीं कि भारत में जार्ज सोरोस की संस्था के जरिये यूएसएड का पैसा आ रहा था और उसका इस्तेमाल भारतीय हितों को चोट पहुंचाने के लिए किया जा रहा हो?

इसकी आशंका इसलिए है, क्योंकि विभिन्न देशों को यूएसएड से भारी-भरकम राशि मिलती रही है और आम धारणा यह है कि इस राशि का उपयोग संबंधित देश के अंदरूनी मामलों में दखल देने के लिए किया जाता था। यूएसएड भले ही यह दावा करता हो कि वह विभिन्न देशों में साक्षरता बढ़ाने, गरीबी मिटाने, महिलाओं को सशक्त करने, लोकतंत्र मजबूत करने, सिविल सोसायटी को सुगठित करने के लिए आर्थिक सहायता देता था, लेकिन लगता नहीं कि यह अनुदान वास्तव में इन्हीं उद्देश्यों के लिए खर्च किया जाता था।

शायद इसी कारण डोनाल्ड ट्रंप के सहयोगी एलन मस्क ने यूएसएड को एक आपराधिक संगठन करार दिया। अब ट्रंप भी उसे खरी-खोटी सुना रहे हैं और तरह-तरह के सवाल कर रहे हैं, लेकिन इन सवालों के जवाब देने की जिम्मेदारी उनकी ही है।

पता नहीं वह जवाब देंगे या नहीं, लेकिन कम से कम भारत को तो यह चाहिए कि वह किसी भी स्रोत से मिलने वाली विदेशी सहायता के मामले में यह देखे कि उसका उपयोग कहां हो रहा है?

महाकुंभ के पानी में भयंकर मल बैक्टीरिया, सीएम योगी बोले- पानी पीने लायक; अगर कोई इसे पी ले तो क्या होगा

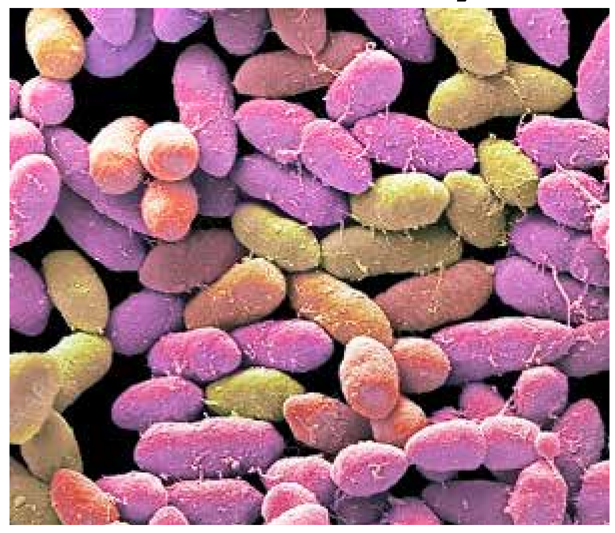

महाकुंभ के पानी में तय मानक से 13 गुना ज्यादा फीकल कोलीफॉर्म यानी मल वाला बैक्टीरिया मिला है। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल को सौंपी गई सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड की रिपोर्ट में इसका खुलासा हुआ। हालांकि सीएम योगी ने इसे खारिज करते हुए कहा कि संगम का पानी न सिर्फ डुबकी लगाने, बल्कि पीने के लिए भी उपयुक्त है। बैक्टीरिया शब्द सुनते ही लोगों के दिमाग में सबसे पहले यही आता है कि ये इंसानों को नुकसान पहुंचाने वाले सूक्ष्म जीव हैं। लेकिन 99% बैक्टीरिया हमें कोई नुकसान नहीं पहुंचाते, सिर्फ 1 प्रतिशत ही ऐसे होते हैं जिनसे जानलेवा बीमारियां होती हैं।

फीकल कोलीफॉर्म बैक्टीरिया दोनों कैटेगरी में आता है। यह बैक्टीरिया इंसानों जैसे गर्म खून वाले जीवों के पाचन तंत्र में पाया जाता है। शरीर के अंदर यह कोई नुकसान नहीं पहुंचाते। जब यह बैक्टीरिया मल के साथ शरीर से बाहर निकलकर पानी में मिल जाते हैं, वहां से समस्या शुरू होती है।

पानी पर रिसर्च करने वाली वेबसाइट 'Know Your H2O' के मुताबिक, पानी में सीवरेज मिलने से ज्यादा फीकल पदार्थ बनते हैं। यह बहुत जल्द सड़ जाते हैं और ऑक्सीजन के लेवल को कम कर देते हैं। अगर फीकल कोलीफॉर्म बैक्टीरिया पानी में मिल जाता है, तो यह पानी दूषित माना जाता है। इस पानी को पीने और नहाने के लिए इस्तेमाल नहीं कर सकते।

आमतौर पर पानी की क्वालिटी चेक करने के लिए 'फीकल कोलीफॉर्म टेस्ट' किया जाता है। इसके लिए MPN/100ML का फॉर्मूला लगाते हैं। ये 100 मिली पानी में मौजूद बैक्टीरिया के खतरे को बताता है।

2004 में शहरी विकास मंत्रालय की एक समिति ने सिफारिश की थी कि नदी के पानी में फीकल कोलीफॉर्म का सुरक्षित स्तर 500 MPN/100 मिलीलीटर तक सीमित होना चाहिए। वहीं, बहती नदी में इसका लेवल 2,500 MPN/100ML होना चाहिए।

3 फरवरी को केंद्रीय प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड (CPCB) ने द नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल में महाकुंभ के पानी की रिपोर्ट सबमिट की। इसमें 7 जगह से गंगा और यमुना के सैंपल इकट्ठा किए गए- श्रृंगवेरपुर घाट, लॉर्ड कर्जन ब्रिज, नागवासुकी मंदिर, दीहा घाट, नैनी ब्रिज और संगम।

रिपोर्ट के मुताबिक 13 जनवरी 2025 को गंगा में दीहा घाट और यमुना के पुराने नैनी ब्रिज पर फीकल कोलीफॉर्म बैक्टीरिया 33,000 MPN/100ML दर्ज किया गया। यह तय मानक से 13 गुना ज्यादा था। इसी तरह श्रृंगवेरपुर घाट पर 23,000 MPN/100ML लेवल रहा। पानी में नहाने के लिए सुरक्षित सीमा स्तर 2,500 MPN/100ML है।

CPCB ने उत्तर प्रदेश प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड (UPPCB) को एक लेटर में लिखा, 'महाकुंभ में सभी जगह गंगा और यमुना नदी के पानी की क्वालिटी पीने और नहाने के लिए सही नहीं है।'

सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट (CSE) की रिपोर्ट के मुताबिक, कोलीफॉर्म बैक्टीरिया से संक्रमण की रफ्तार बहुत धीमी होती है, लेकिन यह पानी में मिलकर कई तरह की बीमारियों की वजह बन सकता है, त्व

चा रोग विशेषज्ञ डॉ. संदीप अरोड़ा के मुताबिक, 'आमतौर पर इस बैक्टीरिया का असर 24 घंटे के अंदर दिखने लगता है। इसमें स्किन का लाल पड़ना, मुंहासे होना और खुजली जैसे लक्षण दिखते हैं। वहीं, आंख और कान की बीमारी के लक्षण दिखने में 7 दिन का समय लग सकता है।'

मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल के सीनियर कंसल्टेंट और गैस्ट्रोएंटरोलॉजी के यूनिट हेड डॉ. अंकुर जैन कहते हैं, 'गंगा नदी का मल बैक्टीरिया वाला पानी पाचन तंत्र के लिए गंभीर समस्या पैदा कर सकता है। इस बैक्टीरिया से हैजा, टाइफाइड और पेचिश जैसी कई बीमारियां हो सकती हैं। इस बैक्टीरिया के लगातार संपर्क में आने से कोलन और ब्लैडर कैंसर का खतरा भी बढ़ जाता है।'

प्रयागराज में गंगा-यमुना के पानी में फीकल कोलीफॉर्म बैक्टीरिया बढ़ने के 3 मुख्य कारण नजर आते हैं...

1. सीवेज का गंदा पानी नदी में मिलना

प्रयागराज में कई सीवेज का पानी सीधे गंगा-यमुना में गिरता है, जिसकी वजह से फीकल कोलीफॉर्म बैक्टीरिया संगम के पानी में बढ़ जाता है।

महाकुंभ से 6 महीने पहले NGT ने गंगा-यमुना में गिरने वाले सीवेज के गंदे पानी को रोकने के लिए यूपी सरकार से तुरंत एक्शन लेने को कहा था।

ज्वाइंट कमेटी की रिपोर्ट में बताया गया कि प्रयागराज में नदी में गिरने वाले कुल 81 नालों में से 44 नालों का गंदा पानी बिना किसी ट्रीटमेंट यानी बिना सफाई के सीधे नदी में जा रहा है।

हर दिन करीब 73.80 मिलियन लीटर (MLD) गंदा पानी बिना ट्रीटमेंट के गंगा में मिल रहा है, जिससे नदी का पानी प्रदूषित हो रहा है और फीकल कोलीफॉर्म बैक्टीरिया बढ़ रहा है।

हालांकि यूपी सरकार का कहना है कि इस समय ट्रीटमेंट यानी सफाई के बाद ही गंगा-यमुना में सीवेज वाला पानी गिर रहा है।

टेंपरेरी टॉयलेट और खुले में शौच

महाकुंभ के लिए मेला क्षेत्र में 1 लाख 50 हजार टेंपरेरी टॉयलेट बनाए गए हैं। इनसे निकलने वाले गंदे पानी को भी सही से ट्रीट नहीं किया जा रहा है।

कुंभ से ही कई ऐसी वीडियोज भी सामने आई थीं जहां लोगों ने खुले में ही नदी किनारे शौच किया है। इन वजहों से भी नदी में मल बैक्टीरिया पहुंचा।

करोड़ों लोगों का स्नान करना

CPCB की रिपोर्ट में ही कहा गया है कि महाकुंभ मेले के दौरान बड़ी संख्या में लोग नदी में स्नान करते हैं। लोगों की स्किन, कपड़े, शरीर से भी गंदगी और बैक्टीरिया नदी के पानी में मिल जाते हैं। इस कारण मल बैक्टीरिया का घनत्व (Density) पानी में बढ़ जाता है।

आगे सीएम योगी ने CPCB की रिपोर्ट का जिक्र करते हुए कहा कि फीकल कोलीफॉर्म बढ़ने के बहुत सारे कारण हो सकते हैं। सीवेज लीकेज इसका मुख्य कारण है। साथ ही नदियां चैनेलाइज नहीं होने की वजह से भैंस, गाय और अन्य जानवर नहाते और गोबर कर देते हैं।

इस वजह से भी फीकल कोलीफॉर्म की मात्रा बढ़ जाती है। महाकुंभ के ऊपर से हर घंटे 8 से ज्यादा विमान उड़ रहे हैं। ये इतने नीचे से गुजर रहे हैं कि श्रद्धालु सोच में पड़ जाते हैं। दरअसल, एयरलाइंस कंपनियों ने अपने यात्रियों को हवाई दर्शन कराने के लिए ये खास सुविधा दी है। प्रयागराज के ऊपर से गुजरने वाले विमानों की ऊंचाई घटाई गई है, ताकि यात्री महाकुंभ का एरियल व्यू देख सकें।

बिहार चुनाव

उमेश चतुर्वेदी

प्रगति रथ पर चुनावी नैया पार उतारने की कोशिश में नीतीश

बिहार में विधानसभा चुनावों की उलटी गिनती शुरू हो चुकी है। छह महीने बाद राज्य में चुनाव होने हैं। ऐसे में पक्ष और विपक्ष-दोनों ने चुनावी समर के लिए कमर कस ली है। इन तैयारियों के बीच एक बात तय है। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन यानी एनडीए एक बार फिर नीतीश कुमार की ही अगुआई में चुनावी मैदान में उतरने जा रहा है। पिछले साल नीतीश और लालू के मिलने की खबरिया कानाफूसी हो रही थी, उन्हीं दिनों पहले अमित शाह और बाद में बीजेपी अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा, दोनों ने नीतीश के ही चेहरे पर चुनाव लड़ने का ऐलान करने में देर नहीं लगाई। वहीं विपक्षी खेमे की कमान बीमारी के बावजूद लालू यादव ने अपने हाथ में ले ली है। जनता दल से अलग होकर जब से नीतीश कुमार ने अपनी अलग राह चुनी है, बिहार में ज्यादातर जंग लालू बनाम नीतीश ही रही है। सियासी इतिहास गवाह है कि जब भी लालू बनाम नीतीश की जंग होती है, लालू का जंगलराज के भूत का डर बिहार के लोगों को सताने लगता है। इस जंग में लालू की बनिस्बत नीतीश का चमकदार और सुलझा हुआ चेहरा सामने आ जाता है और सियासी बाजी नीतीश की अगुआई वाले गठबंधन के ही हाथ लगती रही है। नीतीश कुमार की अगुआई में 2005 में बिहार की सत्ता पर एनडीए के काबिज होने के बाद बिहार की अराजक छवि में तेजी से बदलाव हुआ। शासन की गाड़ी पटरी पर लगातार आती गई। नीतीश के पहले बिहार में बिजली के दर्शन कभी-कभी होते थे, लेकिन बाद में हालात बदले। बिहार की सड़कें देश और दुनिया में अपनी बदहाली के लिए जानी जाती थीं, लेकिन नीतीश ने उन्हें भी बदला। लड़कियों को स्कूल जाने के लिए साइकिलों की सौगात मिली। कभी माफिया, अपहरण और वसूली के लिए बदनाम बिहार की छवि बदलने लगी। इसके बाद नीतीश कुमार की भी नई छवि बनी, उन्हें नया नाम भी मिला, सुशासन कुमार। पंद्रह साल बाद हुए विधानसभा चुनावों में नीतीश की पार्टी की सीटें घटीं। हाल के दिनों में उनके कुछ बयानों पर सवाल भी उठे, इसके बावजूद बिहार की राजनीति का सबसे चमकदार चेहरा अब भी नीतीश कुमार ही हैं। शायद यही वजह है कि एनडीए एक बार फिर नीतीश कुमार के ही चेहरे के साथ मैदान में उतरने जा रहा है। एनडीए और जनता दल यू को लगता है कि इस जंग में इस बार सियासी कामयाबी दिलाने में मददगार नीतीश कुमार की प्रगति यात्रा ही हो सकती है। इसलिए सत्ताधारी खेमे की ओर से एक तरफ जहां विकास को मुद्दा बनाने की तैयारी है, वहीं विकास के सिलसिले में नए आयाम जोड़ने को लेकर तेजी से काम हो रहा है। इसी के तहत नीतीश सरकार सड़क और पुल निर्माण जैसे विकास कार्यों को ज़मीन पर उतारने की तैयारी तेज कर दी है। एनडीए के साथ ही बिहार के सियासी जानकारों का मानना है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की यह यात्रा बिहार के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी। अपनी सरकार की उपलब्धियों के साथ ही लोगों की राय जानने के लिए कुछ दिनों पहले से नीतीश कुमार ने राज्य में प्रगति यात्रा की। इस यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री ने बिहार के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं भी कीं। विशेष रूप से सड़क निर्माण, बाईपास और उच्चस्तरीय रेलवे ओवरब्रिज की योजनाओं पर जोर दिया गया, ताकि राज्य में आवागमन की सुगमता बढ़े और यात्रा समय में कमी आए। प्रगति यात्रा के ही दौरान नीतीश कुमार ने 20 हजार करोड़ रुपये की 188 योजनाओं की घोषणा की। सत्ताधारी खेमे का दावा है कि नीतीश कुमार की दूरदर्शी सोच और कड़ी मेहनत की वजह से बिहार का तकरीबन हर गांव पक्की और चौड़ी सड़कों से जोड़ा जा रहा है। इनकी मदद से बिहार के किसी भी कोने से पहले की तुलना में राजधानी पटना पहुंचना कहीं ज्यादा आसान हुआ है। इसकी वजह से लोगों के समय और ईंधन की बचत हो रही है। नीतीश की अगुआई में 2010 में मिली दूसरी जीत में बेहतर सड़कों की बड़ी भूमिका रही। शायद यही वजह है कि नीतीश कुमार ने सड़कों और बुनियादी सुविधाओं के लिए खजाना खोल दिया है। नीतीश के लिए चुनौती शराबबंदी बनी हुई है। सरकारी तंत्र के भ्रष्टाचार की वजह से शराब की तस्करी बढ़ी है। हालांकि शराबबंदी से महिलाएं खुश हैं। नीतीश को इस चुनौती से पार पाना होगा। फिर भी कह सकते हैं कि बिहार की आर्थिक प्रगति की ओर बढ़ा नीतीश सरकार का पहिया अब भी प्रमुख मुद्दा है। यह सच है कि जातिवाद से ग्रस्त बिहार की राजनीति पर विकास की राजनीति भारी पड़ती रही है। शायद यही वजह है कि नीतीश सरकार विकास पर जोर दे रही है और इसे ही अपना सियासी हथियार बनाने की तैयारी में है।

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

योग के सभी सूत्र मानव जीवन की आधारशिला

संकलित

दर्शन

योग प्राचीन काल से भारतीय आध्यात्मिक संचेतना का केंद्र रहा है। इसके आदिम सूत्रधार परमयोगी भगवान शिव हैं। योग शब्द का प्रयोग विभिन्न अर्थों में होता रहा है। समाधि अर्थ में इसका प्रयोग आत्मा और परमात्मा के मिलन के लिए किया जाता है, जब साधक अपनी साधना की चरमावस्था में परमात्मा से एकाकार होकर उसका साक्षात्कार कर लेता है। अग्निपुराण में भी मन एवं आत्मा तथा आत्मा और परमात्मा के संयोग को योग कहा गया। सांख्यदर्शन के अनुसार प्रकृति और पुरुष का भेद होने पर भी पुरुष का आत्मस्वरूप में स्थित हो जाना योग कहलाता है। कठोपनिषद् के अनुसार, जब इंद्रियां मन के साथ और मन अविचल बुद्धि के साथ स्थिर हो जाता है तो यह अवस्था योग की होती है। गीता में भगवान श्रीकृष्ण ने 'योगः कर्मसु कौशलम्' कहकर योग का जो स्वरूप अजरुन के समक्ष प्रस्तुत किया है वह सामान्य जन के सर्वाधिक निकट है। कोई भी मनुष्य एकाग्रचित्त होकर निष्काम भाव से कर्म करते हुए योग को सिद्ध कर सकता है। योगसूत्र के प्रणेता महर्षि पतंजलि संयमन अर्थ में चित्तवृत्तियों के निरोध को योग कहते हैं। उनके अनुसार यम, नियम, आसन, ध्यान, धारणा आदि आठ अंगों से संपन्न प्राणायाम की विविध क्रियाएं योग कहलाती हैं। इससे चित्त की एकाग्रता बढ़ती है। बुद्धि में स्थिरता आती है। चिंतन उत्कृष्ट होता है। मन में सद्विचारों का उदय होता है। नकारात्मक प्रवृत्तियां स्वतः समाप्त हो जाती हैं। परिणामतः आत्मिक और शारीरिक शक्तियों में वृद्धि होती है।

रावण की वजह से बना बैद्यनाथ मंदिर

संकलित

प्रेरणा

त्रेता युग की घटना है। रावण शिव जी का परम भक्त था। रावण ने हिमालय क्षेत्र में शिवलिंग बनाकर कठोर तप किया था। इस तप से शिव जी प्रसन्न होकर प्रकट हुए। भगवान ने रावण से वरदान मांगने के लिए कहा। रावण ने शिव जी से कहा कि मैं आपका ये शिवलिंग लंका में स्थापित करना चाहता हूं। शिव जी ने रावण की इच्छा पूरी होने का वरदान दिया, लेकिन साथ में ये भी कहा कि रास्ते में तुम ये शिवलिंग जहां रख दोगे, शिवलिंग वहीं स्थापित हो जाएगा। इसके बाद तुम ये शिवलिंग आगे नहीं ले जा पाओगे। रावण ने शिव जी का बात मान ली और शिवलिंग उठाकर लंका की ओर चल दिया। रास्ते में रावण ने गलती से एक जगह शिवलिंग रख दिया। थोड़ी देर बाद वह शिवलिंग फिर से उठाने लगा, लेकिन शिवलिंग वहीं स्थापित हो गया था। बहुत कोशिश करने के बाद भी रावन शिवलिंग को उठा नहीं सका। अंत में हिम्मत हारकर रावण वहां से चला गया। रावण के जाने के बाद सभी देवी-देवता, ऋषि-मुनि और अन्य लोग इस शिवलिंग के पास पहुंचे और शिव पूजा की। सभी की पूजा से भगवान प्रसन्न हुए और प्रकट हुए। सभी भक्तों ने शिव जी से प्रार्थना की कि अब से वे यहीं निवास करें, ताकि भक्त आसानी से दर्शन-पूजन कर सके और उनका कल्याण हो सके। भक्तों की बात सुनकर शिव जी इसी शिवलिंग में ज्योति स्वरूप में विराजित हो गए। बाद ये ज्योतिर्लिंग बैद्यनाथ के नाम से प्रसिद्ध हुआ।

शिवाजी जयंती

छत्रपति शिवाजी महाराज की पोशाक पहने एक व्यक्ति मुंबई में बुधवार को शिवाजी महाराज की जयंती मनाने वाली एक रैली में भाग लेता हुआ।

आज की पाती

परीक्षा में बच्चों के खानपान का रखें ध्यान

बोर्ड परीक्षा बच्चों के लिए एक महत्त्वपूर्ण समय है, जिसके लिए लंबे समय तक अध्ययन, ध्यान और मानसिक सहनशक्ति की आवश्यकता होती है। हालांकि, खराब डाइट और अस्वास्थ्यकर खान-पान से थकान, एकाग्रता की कमी और तनाव हो सकता है। आपका बच्चा सक्रिय, सतर्क और तनाव मुक्त रहे, इस अवधि के दौरान उसे सही पोषण प्रदान करना आवश्यक है। इसलिए परीक्षा के दौरान बच्चों को घर का बना शुद्ध और सात्विक आहार ही देना चाहिए। बच्चे जो खाना खाते हैं उसका सीधा असर उनके मस्तिष्क की कार्यप्रणाली, एकाग्रता और ऊर्जा के स्तर पर पड़ता है। संतुलित आहार याददाश्त, फोकस और स्वास्थ्य को बढ़ाने में मदद करता है। *– संकेत वर्मा, दुर्ग*

ट्रेंड

ऋषि सुनक अच्छे मित्र

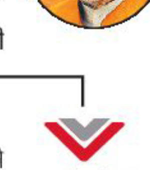

ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री ऋषि सुनक और उनके परिवार से मिलकर बहुत खुशी हुई! हमारे बीच कई विषयों पर शानदार बातचीत हुई। श्री सुनक भारत के बहुत अच्छे मित्र हैं और भारत-ब्रिटेन संबंधों को और भी मजबूत बनाने के इच्छुक हैं।

-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

मोदी जी की गारंटी

गुजरात नगर निकाय चुनाव में भाजपा को प्रचंड जीत का आशीर्वाद देकर गुजरात की जनता ने एक बार फिर बता दिया है कि उन्हें सिर्फ मोदी जी की गारंटी पर भरोसा है। भाजपा के नेतृत्व में गुजरात विकास की इस यात्रा को निरंतर आगे बढ़ाता रहेगा।

-अमित शाह, केंद्रीय गृहमंत्री

सभी का विश्वास जरूरी

महाकुंभ को लेकर सत्ता-विपक्ष के अलग-अलग तर्क हैं, जबकि व्यापक जनहित व जनकल्याण के लिए सभी का विश्वास जरूरी, ताकि सरकारी धन-संसाधन का सही उपयोग हो सके। वैसे भी महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी आदि यूपी की समस्या है।

-मायावती, पूर्व सीएम, उप्र

मिलिंद रेगे को श्रद्धांजलि

मिलिंद रेगे सर के निधन के बारे में सुनकर दुख हुआ। मुंबई क्रिकेट में उनका योगदान अमूल्य था और उनके मार्गदर्शन ने कई करियर को आकार दिया। उसकी आत्मा को शांति मिले।

-यूसुफ पठान, भारतीय क्रिकेटर

करंट अफेयर

ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जेयर के खिलाफ आरोप दायर

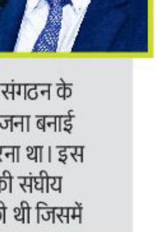

पाउलो गोनेट ने देश के पूर्व राष्ट्रपति बोल्सोनारो पर 2022 के चुनाव में हार के बाद भी पद पर बने रहने के लिए तख्तापलट का प्रयास करने का मंगलवार को औपचारिक रूप से आरोप लगाया। आरोप है कि तख्तापलट की इस साजिश के तहत बोल्सोनारो के उत्तराधिकारी और वर्तमान राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा को जहर देने की योजना भी बनाई गई थी। गोनेट ने आरोप लगाया कि बोल्सोनारो और 33 अन्य लोगों ने सत्ता में बने रहने के लिए षड्यंत्र रचा जिसके तहत लूला को जहर देने और पूर्व राष्ट्रपति के विरोधी एवं उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश एलेक्जेंडर डी मोरेस की गोली मारकर हत्या करने की योजना भी बनाई गई। गोनेट ने 272 पन्नों के अभियोग में लिखा, 'आपराधिक संगठन के सदस्यों ने राष्ट्रपति भवन में संस्थाओं पर हमला करने की योजना बनाई जिसका उद्देश्य सत्ता और लोकतांत्रिक व्यवस्था को ध्वस्त करना था। इस साजिश को 'ग्रीन एंड येलो डैगर' नाम दिया गया।' ब्राजील की संघीय पुलिस ने पिछले साल नवंबर में 884 पन्नों की रिपोर्ट दायर की थी जिसमें गोनेट ने इस कथित साजिश के बारे में विस्तार से बताया था।

ऑफ बीट

कई ग्लुटेन मुक्त उत्पादों में कैलोरी-शर्करा अधिक

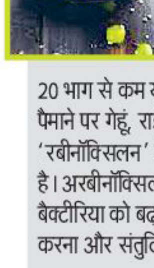

अमेरिकी उपभोक्ता अक्सर ग्लुटेन-मुक्त उत्पादों के लिए अधिक भुगतान करते हैं, फिर भी ये उत्पाद आमतौर पर ग्लुटेन युक्त विकल्पों की तुलना में कम प्रोटीन और अधिक शर्करा एवं कैलोरी प्रदान करने वाले होते हैं। वर्तमान में कई ग्लुटेन-मुक्त उत्पादों में फाइबर, प्रोटीन और आवश्यक पोषक तत्वों की कमी होती है। इसके अलावा, ग्लुटेन-मुक्त उत्पादों में आमतौर पर ग्लुटेन युक्त अन्य उत्पादों की तुलना में अधिक शर्करा पाई जाती है। ग्लुटेन-मुक्त आहार के लंबे समय तक सेवन का संबंध 'बॉडी मास इंडेक्स' (बीएमआई) में वृद्धि और पोषण संबंधी कमियों से है। ग्लुटेन-मुक्त उत्पाद को अमेरिका में ऐसे उत्पाद के रूप में परिभाषित किया जाता है जिनमें ग्लुटेन प्रति 10 लाख में 20 भाग से कम या उसके बराबर होता है। लेकिन ग्लुटेन-मुक्त उत्पाद में बड़े पैमाने पर गेहूं, राई, जौ और कभी-कभी जई की कमी होती है, जबकि ये सभी 'रबीनॉक्सिलन' के समृद्ध स्रोत हैं जो एक महत्वपूर्ण स्टार्च रहित पॉलीसेकेराइड है। अरबीनॉक्सिलन कई स्वास्थ्य लाभ प्रदान करता है, जिसमें लाभकारी आंत बैक्टीरिया को बढ़ावा देना, पाचन को बढ़ाना, रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करना और संतुलित आंत माइक्रोबायोटा का समर्थन करना शामिल है।

रॉयल पत्रिका

संक्षिप्त समाचार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 24 फरवरी को करेंगे इन्वेस्ट मध्य प्रदेश ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2025 का उद्घाटन

भोपाल, एजेंसी। पिछले कुछ महीनों में राज्य भर में आयोजित की गई सात रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव की अपार सफलता के बाद, माननीय मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में उद्योग नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग, मध्य प्रदेश, द्वारा बहुप्रतीक्षित इन्वेस्ट मध्य प्रदेश ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2025 का आयोजन 24 और 25 फरवरी को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय, भोपाल में किया जाएगा। इस कार्यक्रम का उद्घाटन माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी 24 फरवरी को करेंगे। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2025 उद्योग नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग, मध्य प्रदेश सरकार की एक ऐतिहासिक पहल है, जिसका मुख्य उद्देश्य राज्य के औद्योगिक विकास को प्रोत्साहित करना है। असीम संभावनाएँ (इनफिनिट पॉसिबिलिटीज) थीम पर आधारित इस दो दिवसीय वैश्विक निवेशक सम्मेलन में विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय उद्योगपतियों, नीति निर्माताओं, और निवेशकों की भागीदारी होगी, जिससे मध्य प्रदेश के औद्योगिक विकास को गति मिलेगी। दोनों ही दिन विभिन्न क्षेत्रों से गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति की उम्मीद है, जिसमें प्रमुख रूप से श्री अमित अग्रवाल, सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, श्री अतुल कुमार तिवारी, सचिव, कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय, भारत सरकार, श्री ऑगस्टे तानो कोउमे, कंट्री डायरेक्टर, वर्ल्ड बैंक, श्री अमित कुमार मित्तल, सीईओ, जिंदल इंडिया रिन्यूएबल एनर्जी, श्री दीपेश नंदा, टाटा पावर रिन्यूएबल एनर्जी, प्रो धीरज कुमार, डिप्टी डायरेक्टर, धनबाद, श्री मिथिलेश्वर ठाकुर, सेक्रेटरी जनरल , श्रीमती पूनम शर्मा भांबरी, सीनियर प्रोजेक्ट ऑफिसर, एशियन डेवलपमेंट बैंक, श्री राहुल अवस्थी, ग्लोबल हेड, ऑपरेशन्स, सन फार्मास्युटिकल्स, आदि शामिल हैं। समिट के पहले दिन, 24 फरवरी को, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा उद्घाटन के बाद, कई महत्वपूर्ण आयोजन होंगे। इस दिन विभागीय शिखर सम्मेलन नवीकरणीय ऊर्जा और आईटी एवं प्रौद्योगिकी पर केंद्रित होगा। थीमेटिक सत्रों में मॉलीक्यूल और मशीन (फार्मा एवं मेडिकल डिवाइसेज) और मानव संसाधन में निवेश (कौशल विकास) शामिल होंगे। इसके अतिरिक्त, ग्लोबल साउथ पर एक विशेष कंट्री सेशन आयोजित किया जाएगा। साथ ही, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव निवेशकों के साथ व्यक्तिगत बैठकें करेंगे। दिन का समापन एक भव्य सांस्कृतिक संध्या के साथ होगा। समिट के दूसरे दिन 25 फरवरी को माननीय गृह मंत्री श्री अमित शाह इस कार्यक्रम में शामिल होंगे।

अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर ज़ी टीवी सितारों के दिल से निकली अपनी ज़ुबान की मिठास

मुंबई, एजेंसी। भाषा सिर्फबातचीत का ज़रिया नहीं, बल्कि हमारी पहचान है। ये हमारी जड़ों से जोड़ने वाली डोर है, हमारी संस्कृति की रखवाली करने वाली आवाज़ है और हमारे जज़्बातों की सबसे सच्ची तस्वीर भी। अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस हमें याद दिलाता है कि जिस भाषा में हम सोचते हैं, महसूस करते हैं, हंसते हैं और रोते हैं, वही हमारे दिल के सबसे करीब होती है। हमारी मातृभाषा में कहानियां पीढ़ी दर पीढ़ी बहती हैं, परंपराएं जिंदा रहती हैं और जज़्बात अपनी सबसे खूबसूरत शक्ल में ढलते हैं। भाषाई विविधता का जश्न मनाना सिर्फअलग-अलग बोलियों को पहचानने की बात नहीं, बल्कि उस सुकून, आत्मविश्वास और अपनापन महसूस करने की बात है, जो अपनी भाषा बोलने से आता है। इसी खास मौके पर जमाई नं. 1 के अभिषेक मलिक, भाग्य लक्ष्मी की ऐश्वर्या खरे, जागृति - एक नई सुबह के आर्य बब्बर, बस इतना सा ख्वाब की राजश्री ठाकुर, कैसे मुझे तुम मिल गए की हेमांगी कवि और वसुधा के सचिन पारेख जैसे ज़ी टीवी के कलाकार अपनी मातृभाषा के लिए अपने प्यार और जुड़ाव की अनमोल कहानियां साझा कर रहे हैं। जमाई नं. 1 में नील का किरदार निभा रहे अभिषेक मलिक ने कहा, ''पंजाबी सिर्फ शब्दों का मेल नहीं, ये मेरी जड़ों की महक, मेरे बचपन की लोरी और मेरे दिल की धड़कन है। बचपन में मेरे दादा-दादी मुझे पंजाबी में कहानियां सुनाते थे।

अर्थशास्त्र, महाकुंभ का विरोध करने वालों की अपेक्षा बेहतर है : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ, एजेंसी।
उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उनका अर्थशास्त्र महाकुंभ का विरोध करने वालों की अपेक्षा बेहतर है। आदित्यनाथ ने महाराष्ट्र से आये युवा उद्यमियों से संवाद कार्यक्रम में महाकुंभ पर उंगली उठाने वालों को जवाब देते हुए कहा, ''महाकुंभ का विरोध करने वालों की अपेक्षा हमारा अर्थशास्त्र बेहतर है।'' उन्होंने उद्यमियों से पूछा कि अगर केंद्र तथा राज्य सरकार द्वारा 7500 करोड़ रुपये खर्च किए जाने से अर्थव्यवस्था में तीन से साढ़े तीन लाख करोड़ रुपयों की अतिरिक्त वृद्धि हो सकती है तो कौन सा सौदा सही है?''

मुख्यमंत्री की यह टिप्पणी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के संस्थापक लालू प्रसाद यादव के उस बयान के बाद आयी है जिसमें उन्होंने महाकुंभ को कथित तौर पर ''फालतू'' करार दिया था। आदित्यनाथ ने कहा कि प्रयागराज महाकुंभ में डुबकी लगाने वालों की संख्या अगर 60 करोड़ तक पहुंचती है तो उत्तर प्रदेश के सकल राज्य घरेलू उत्पाद में सवा तीन से साढ़े तीन लाख करोड़ रुपये की अतिरिक्त बढ़ोतरी होगी। उन्होंने कहा, ''अयोध्या, प्रयागराज, काशी, चित्रकूट, गोरखपुर, नैमिषारण्य में बेहतरीन अवसंरचना है।

अयोध्या में सड़क चौड़ीकरण, अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा निर्माण, काशी विश्वनाथ धाम के दौरान यह लोग विरोध कर रहे थे, लेकिन जब सरकार ने दृढ़ इच्छाशक्ति से निर्णय लिया तो परिणाम सामने है। एक वर्ष में श्री राम जन्म भूमि मंदिर में 700 करोड़ का चढ़ावा आया। इन लोगों (विपक्ष) को अब यह भी बुरा लगेगा।'' मुख्यमंत्री ने कहा, ''हमने मान लिया था कि आस्था में ताकत नहीं है, लिहाजा दुष्परिणाम भुगतना पड़ा। गुलामी के कालखंड में यह बात मन में डाली गई कि भारतीय को कमतर करके आंकों, उसे महत्वहीन कर दो। प्रधानमंत्री मोदी जी ने पहली बार भारतवासियों को अहसास कराया कि देश से जुड़े जीवन मूल्यों, आस्था तथा उत्पाद को महत्व देकर हम स्वयं की महत्ता को बढ़ा सकते हैं।''

उन्होंने कहा, ''दूसरों की उपलब्धियों के बजाय पूर्वजों की विरासत पर गौरव की अनुभूति करेंगे तो दुनिया को बहुत कुछ दे पाएंगे। आज प्रयागराज वही कर रहा है। प्रयागराज, काशी तथा अयोध्या ने अपनी क्षमता को उजागर किया। अनेक लोगों को रोजगार मिला तो कइयों की आमदनी बढ़ाने में भी मदद मिली।''

आदित्यनाथ ने कहा, ''महाकुंभ में अब तक 53 करोड़ श्रद्धालु संगम में डुबकी लगा चुके हैं। अगले नौ दिन तक यह उत्सव इसी रूप में जारी रहेगा। यही भारत की क्षमता है। भारत की आस्था को यदि सम्मान दिया गया होता तो भारत और भी ऊंचाइयों पर होता।'' उन्होंने कहा कि अपनी संस्कृति और परंपराओं को सम्मान देकर किस तरह देश की एकता और आर्थिकी को प्रोत्साहित किया जा सकता है, यह प्रयागराज महाकुंभ के अवसर पर सहज ही अनुभव किया जा सकता है। युवा भारत संस्था के तत्वावधान में आयोजित इस संवाद कार्यक्रम में मुंबई के औद्योगिक घरानों से जुड़े उद्यमी भी शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने कहा, ''देश की सबसे बड़ी आबादी वाले राज्य उत्तर प्रदेश में 25 करोड़ लोग रहते हैं। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पिछले 10 वर्ष के अंदर पहली बार देश की आस्था को सम्मान प्राप्त हुआ है।

नोएडा एयरपोर्ट में साइबर सुरक्षा के होंगे कड़े इंतजाम, एआई करेगा मदद; यापल ने बनाया पूरा प्लान

नोएडा , एजेंसी। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर साइबर सुरक्षा समेत अन्य तकनीकी खराबी की रियल टाइम निगरानी हो सकेगी। इसके लिए यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (यापल) ने किंड्रिल कंपनी के साथ समझौता किया है। एयरपोर्ट पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) संचालित ओपन इंटीग्रेशन प्लेटफॉर्म सिस्टम से व्यवस्था परखी जाएगी और किसी भी संभावित समस्या का समाधान किया जाएगा। इस साझेदारी से 24 घंटे आईटी सहायता प्रदान हो सकेगी।

जानकारी के अनुसार अप्रैल में एयरपोर्ट से उड़ान प्रस्तावित है। यहां जरूरी मूलभूत सुविधाओं को पूरा किया जा रहा है। अब एयरपोर्ट पर साइबर अपराधियों से बचाने और किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए कदम उठाए गए हैं। उड़ान शुरू होने के बाद एयरपोर्ट पर विभिन्न प्रकार की सॉफ्टवेयर आधारित तकनीक का प्रयोग होगा। इसमें तकनीकी तौर पर सुरक्षा व्यवस्था से लेकर फ्लाइट की ऑनलाइन देखरेख समेत कंप्यूटर सिस्टम के कार्य आदि जुड़े हुए हैं।

किंड्रिल कंपनी तकनीकी कार्यों में साइबर अपराधियों की सेंधमारी और अन्य तकनीकी गड़बड़ी समेत अन्य संभावित समस्याओं का निदान करने के लिए विशेष आईटी नेटवर्क तैयार करेगी। आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर का ऑटोमेशन तेज होगा और सिस्टम की वास्तविक समय में ही निगरानी की जा सकेगी। आईटी नेवटर्क के जरिए साइबर सुरक्षा सेवाओं को लागू किया जाएगा। एयरपोर्ट पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से एक प्रभावी तंत्र विकसित किया जाएगा। जिसके नेटवर्क के साथ किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ संभव नहीं होगी। कंपनी जो आईटी नेटवर्क तैयार करेगी, जो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जरिए किसी भी प्रकार की दिक्कत होने पर उसे बढ़ाने से पहले उसकी विभिन्न स्तरों पर पहचान करेगा। इसके माध्यम से यात्री सुविधाओं की भी पूरी जानकारी एकत्रित की जा सकेगी। यापल के सीईओ क्रिस्टोफ श्नेलमैन ने कहा, बेहतर आईटी नेटवर्क के जरिए ही विश्वस्तरीय यात्री सुविधा मुमकिन है। इस समझौते से एयरपोर्ट पर साइबर सुरक्षा का कड़ा घेरा बनाया जाएगा है।

फ्लैट में पाल रखी हैं 300 बिल्लियां; गंदगी और शोर से पड़ोसी परेशान, पुलिस से शिकायत

पुणे , एजेंसी।
महाराष्ट्र में पुणे के एक फ्लैट में 300 बिल्लियां पालने को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। पशुपालन विभाग के अधिकारियों और पुलिस ने पुणे में उस आवासीय सोसाइटी के फ्लैट का दौरा किया, जहां से यह शिकायत मिली थी। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। हडपसर पुलिस स्टेशन के ऑफिसर ने बताया कि फ्लैट मालिक को बिल्लियों को उचित स्थान पर पहुंचाने के लिए नोटिस जारी किया गया है। इसे लेकर पुलिस का यह शिकायत मिली थी कि इतनी अधिक संख्या में बिल्लियों के होने से लोगों को परेशानी हो रही है। पुलिस ऑफिसर ने कहा, 'हडपसर में मार्वल बाउंटी हाउसिंग सोसाइटी के निवासियों ने शिकायत की थी। उनका कहना था कि एक मकान मालिक ने अपने फ्लैट के अंदर 300 से अधिक बिल्लियां पाल रखी हैं, जिससे सफाई संबंधी समस्याएं पैदा हो रही हैं। बिल्लियों के कारण लगातार दुर्गंध आती है और वे काफी शोर करती रहती हैं।' अधिकारी ने कहा कि इन शिकायतों के आधार पर जिला पशु चिकित्सा अधिकारी के नेतृत्व में पशुपालन विभाग की एक टीम ने पुलिस के साथ सोसाइटी का दौरा किया।

हमें 3.5 बीएचके फ्लैट के अंदर 300 बिल्लियां मिलीं। वहां बहुत ज्यादा बदबू थी। इस मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है। कुछ दिनों पहले हैदराबाद के टप्पाचबूतरा में मंदिर परिसर में मांस का टुकड़ा मिलने से विवाद खड़ा हो गया था। भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) के सदस्यों और स्थानीय लोगों ने घटना को लेकर विरोध-प्रदर्शन किया। हालांकि, सीसीटीवी फुटेज की जांच के दौरान एक बिल्ली के मांस का टुकड़ा लेकर मंदिर परिसर में प्रवेश करने की बात सामने आने के बाद विवाद थमा। पुलिस के मुताबिक, यह घटना टप्पाचबूतरा पुलिस थाना क्षेत्र के हनुमान मंदिर परिसर में स्थित शिव मंदिर में हुई। मंदिर समिति के एक सदस्य ने बताया कि श्रद्धालुओं ने शिवलिंग के पास मांस का एक टुकड़ा देखा और समिति को इस बारे में सूचित किया।

ग्रेटर नोएडा में एक्सपो मार्ट गोलचक्कर 7 दिन बंद रहेगा, पुलिस ने बनाया डायवर्जन प्लान

ग्रेटर नोएडा एजेंसी।
ग्रेटर नोएडा स्थित इंडिया एक्सपो मार्ट सेंटर में 22 फरवरी से 26 फरवरी तक एलेक्रामा 2025 कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। ऐसे में 20 फरवरी से ही एक्सपो मार्ट गोलचक्कर को अस्थायी रूप से बंद करते हुए ट्रैफिक का डायवर्जन किया जाएगा। जानकारी के अनुसार, कार्यक्रम में हर दिन लगभग 18 से 20 हजार लोग हिस्सा लेंगे। इसमें कार्यक्रम संबंधी सामग्री लेकर भारी माल वाहक वाहन का पहले से ही आगमन शुरू हो जाएगा।

डीसीपी ट्रैफिक लखन यादव ने बताया कि गलगोटिया कट से एक्सपो मार्ट गोलचक्कर होकर आईएफएस विला गोलचक्कर की ओर जाने वाले वाहन एक्सपो मार्ट गोलचक्कर से बड़ा गोलचक्कर, शारदा गोलचक्कर, होते हुए एलजी गोलचक्कर से जगत फार्म या 130 मीटर रोड होकर अपने गंतव्य को जा सकेंगे।

कार्यक्रम में हिस्सा लेने वाले लोग अपने वाहन नासा गोलचक्कर के अंदर पार्क करके कार्यक्रम में जा सकेंगे। वहीं, नोएडा सेक्टर 14ए से नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे के रास्ते पर सोमवार शाम को जाम लग गया। इसके कारण वाहन चालक घंटों तक जाम से जूझते रहे। सेक्टर-14ए से नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे के रास्ते पर रोजाना सुबह और शाम को जाम लगता है। बड़ी संख्या में दिल्ली की ओर से आने वाले वाहनों के कारण यह समस्या पैदा होती है। सोमवार शाम को भी यही स्थिति थी। वाहन मालिक घंटों जाम से जूझते रहे। वाहन चालक संदीप ने कहा कि जाम के कारण काफी दिक्कत होती है। दफ्तर से भले ही वक्त पर निकल जाएं, लेकिन यहां पर आकर काफी समय बर्बाद हो जाता है। वाहन चालक रवि ने कहा कि जाम की समस्या के समाधान के लिए कोई स्थायी उपाय करना चाहिए। डीसीपी ट्रैफिक लखन यादव ने कहा कि चिल्ला और डीएनडी के रास्ते व्यस्त समय में बड़ी संख्या में वाहन आते हैं, जो आगे की सड़क पर मिलते हैं। इस समस्या के समाधान के लिए वाहनों का रूट डायवर्ट किया जाता है। इससे समस्या काफी हद तक हल हो जाती है। यातायात को आगे बढ़ाने के लिए जगह-जगह पर ट्रैफिक पुलिसकर्मी भी तैनात रहते हैं। जाम की समस्या पहले की तुलना में काफी हल हुई है। गौतमबुद्धनगर जिले में सोमवार को ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन पर 6474 वाहनों के चालान किए गए। इसके अलावा 19 वाहनों को सीज किया गया। ट्रैफिक पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार नियमों के उल्लंघन पर ट्रैफिक पुलिसकर्मियों ने 2557 और आईएसटीएमएस कैमरों द्वारा 3917 वाहनों के चालान किए।

जेवर क्षेत्र में जो विकास कार्य चल रहे हैं, जिसका आने वाली पीढ़ियों का लाभ मिलेगा: विधायक धीरेंद्र सिंह

सड़क मार्ग के साथ साथ रेल मार्ग से भी जुड़ेगा नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट

आगामी अप्रैल माह में उड़ान भरेगी पहली फ्लाइट

जेवर, एजेंसी। जेवर में बन रहे इंटरनेशनल एयरपोर्ट के शुरू होने की तैयारियां शुरू हो गई हैं। नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट लगभग अप्रैल माह में शुरू हो जाएगा। इसी को ध्यान में रखते हुए एयरपोर्ट से कनेक्टिविटी को बेहतर करने की प्रक्रिया चल रही है। आज जेवर ने जो मुकाम हासिल किया है, वह किसी से छुपा हुआ नहीं है। उपरोक्त शब्द आज दिनांक 17 फरवरी 2025 को जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह ने जेवर स्थित खंड विकास कार्यालय के प्रांगण में उपस्थित क्षेत्र के लोगों को संबोधित करते हुए कहे। जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह ने आगे यह भी कहा कि जेवर क्षेत्र में जो विकास कार्य चल रहे हैं, जिसका आने वाली पीढ़ियों का लाभ मिलेगा। इस क्षेत्र में आजादी के बाद से

न तो आवागमन के कोई साधन थे और न हीं नौजवानों को रोजगार मुहैया होता था। साथ ही यहां के किसान को अपनी बहन बेटियों की शादी करने के लिए अपनी जमीन गिरवी रखनी पड़ती थी, लेकिन 2017 में उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने के बाद, जेवर क्षेत्र, प्रदेश ही नहीं अपितु पूरी दुनिया में अपनी पहचान स्थापित कर चुका है। जेवर के विधायक धीरेंद्र सिंह ने आगे यह भी बताया कि नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट से आने वाले अप्रैल माह में हवाई जहाज उड़ान भरने प्रारंभ हो जाएंगे, जिससे यहां और तेजी से विकास होगा। 2017 तक जेवर विधानसभा में कोई भी उच्च शिक्षा का महाविद्यालय नहीं था, लेकिन विगत 07 वर्षों में जेवर विधानसभा में तीन-तीन डिग्री कॉलेज बनकर तैयार हो गए हैं। इस मौके पर जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह ने लोक निर्माण विभाग के लगभग 16 करोड रुपए की धनराशि की लागत के विशेष मरम्मत और नव निर्माण के तकरीबन 19 कार्यों का शुभारंभ किया गया। इसके बाद जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह ने एसीपी जेवर सार्थक सेंगर, उपजिलाधिकारी विवेक कुमार भदोरिया, तहसीलदार तनुजा निगम और बिजली विभाग के अधिशासी अभियंता के साथ बैठकर क्षेत्रवासियों से सीधा संवाद किया।

'नक्शा' परियोजना के तहत राजस्थान की 10 नगरपालिकाओं के इलाकों का ड्रोन सर्वेक्षण होगा

जयपुर, एजेंसी।
देशव्यापी 'नक्शा' परियोजना के तहत राजस्थान की 10 नगरपालिकाओं के इलाकों का ड्रोन सर्वेक्षण होगा और डिजिटल मैपिंग कर भूमि अधिकार अभिलेख का डिजिटलीकरण किया जाएगा। एक प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। प्रवक्ता के अनुसार, इस परियोजना की शुरुआत 18 फरवरी को होगी और राज्य स्तरीय कार्यक्रम की शुरुआत नगरीय विकास एवं आवासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा करेंगे।

स्वायत्त शासन विभाग के आधिकारिक बयान के अनुसार 'डिजिटल इंडिया लैंड रिकॉर्ड मॉडर्नाइजेशन' कार्यक्रम के अंतर्गत 18 फरवरी को राजस्थान सहित देश के विभिन्न राज्यों में 'नक्शा' परियोजना की शुरुआत होगी। राजस्थान सरकार ने इस परियोजना के लिए राज्य के 10 शहरों का चयन किया है। इसके तहत भिवाड़ी, किशनगढ़, ब्यावर, सवाईमाधोपुर, जैसलमेर, पुष्कर, बगरू, बहरोड़, नवलगढ़ और नाथद्वारा में नगरपालिका के सारे भूमि क्षेत्र का ड्रोन सर्वेक्षण द्वारा डिजिटल मैपिंग कर भूमि अधिकार अभिलेख का डिजिटलीकरण किया जाएगा।

इससे भूमि संबंधी सूचनाओं को साझा करना और पारदर्शी बनाना आसान होगा। विभाग के निदेशक इंद्रजीत सिंह ने बताया कि नक्शा परियोजना से शहरी विकास को नई दिशा मिलेगी। इससे शहरी क्षेत्रों में संपत्तियों का सटीक सीमांकन संभव होगा। उन्होंने कहा कि इस कवायद से सम्पत्ति के स्वामित्व की जानकारी भी रजिस्टर होंगी तथा भू संबंधी रिकॉर्ड डिजिटल रूप में उपलब्ध होंगे। इससे आमजन अपनी संपत्ति की जानकारी ऑनलाइन एक क्लिक में देख सकेंगे। सिंह ने कहा कि यह पहल भूमि विवादों को कम करने, संपत्ति के अधिकारों को सुनिश्चित करने और सुव्यवस्थित नगरीय विकास को गति देने में मददगार होगी।

पुरी रथ यात्रा 2025: भगवान जगन्नाथ मंदिर की सुरक्षा बढ़ाने के लिए लगाए जाएंगे एआई कैमरे

पुरी, एजेंसी।
भगवान जगन्नाथ की विश्व प्रसिद्ध रथयात्रा 27 जून को होने जा रही है. विश्व प्रसिद्ध रथयात्रा को व्यवस्थित तरीके से कैसे प्रबंधित किया जाए, इस पर पुलिस महानिदेशक की अध्यक्षता में भुवनेश्वर में तैयारी बैठक हुई. इस विशेष बैठक में पुलिस महानिदेशक ने रथ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की भीड़ को नियंत्रित करने, यातायात प्रबंधन, भीड़ नियंत्रण, पार्किंग व्यवस्था और सुरक्षा व्यवस्था को कैसे चुस्त-दुरुस्त किया जाए, इसकी समीक्षा की. इस वर्ष रथ यात्रा में भीड़ नियंत्रण, यातायात प्रबंधन और सुरक्षा व्यवस्था पर एआई कैमरों के जरिए नजर रखी जाएगी.

पुरी-भुवनेश्वर राष्ट्रीय राजमार्ग पर उत्तरा चैक से लेकर पुरी तक एआई कैमरे लगाए जाएंगे. इसके साथ ही बड़ादंड, श्रीमंदिर, बीच और पुरी के मुख्य प्रवेश द्वारों पर भी एआई कैमरे लगाए जाएंगे. इस संबंध में पुलिस विभाग द्वारा सर्वेक्षण किया जा रहा है और जल्द ही इस पर निर्णय लिया जाएगा कि किन-किन स्थानों पर एआई कैमरे लगाए जाएंगे. पुरी एसपी ने कहा कि पुलिस विभाग को उम्मीद है कि इस साल एआई कैमरों की मदद से रथ यात्रा को व्यवस्थित तरीके से मैनेज किया जाएगा. पिछली 2024 की रथ यात्रा में श्रद्धालुओं की भीड़ को नियंत्रित करने के साथ ही ड्रोन के जरिए ट्रैफिक मैनेज और सुरक्षा पर कड़ी निगरानी रखी गई थी. पुलिस विभाग को इसमें सफलता मिलने के बाद इस साल पुलिस विभाग एक कदम और आगे बढ़कर एआई कैमरों से रथ यात्रा का प्रबंधन करेगा. पुलिस विभाग पिछले साल की गई गलतियों की समीक्षा करेगा और सुनिश्चित करेगा कि इस साल वही गलतियां न दोहराई जाएं. वर्ष 2024 की रथयात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की भीड़ के कारण तालध्वज एवं नंदीघोष रथ को खींचने के दौरान अव्यवस्था की स्थिति उत्पन्न हुई थी. इसलिए यह निर्णय लिया गया है कि इस वर्ष अव्यवस्था की स्थिति उत्पन्न न हो, इसके लिए पुलिस विभाग द्वारा विशेष कदम उठाए जाएंगे. हालांकि, पुलिस विभाग इस वर्ष रथ यात्रा को व्यवस्थित तरीके से आयोजित करने के लिए सभी कदम उठा रहा है और भगवान जगन्नाथ के आशीर्वाद से पुरी एसपी ने उम्मीद जताई है कि इस वर्ष रथ यात्रा सुचारू रूप से आयोजित की जाएगी.

तमिलनाडु में 5800 करोड़ रुपये के अवैध रेत खनन की सीबीआई जांच का आदेश

चेन्नई, एजेंसी। मद्रास उच्च न्यायालय ने तमिलनाडु के तटीय जिलों तिरुनेलवेली, तूतोकोरिन और कन्याकुमारी में निजी खनन कंपनियों द्वारा 5,832 करोड़ रुपये का कथित अवैध रेत खनन किए जाने के मामले में सीबीआई जांच का आदेश दिया। इसने एजेंसी को मामले में अधिकारियों की भूमिका की जांच करने का भी निर्देश दिया और कहा कि मामले में राजनीतिक सांठगांठ से इनकार नहीं किया जा सकता। न्यायमूर्ति एस एम सुब्रमण्यम और न्यायमूर्ति एम जोतिरमन की खंडपीठ ने केंद्रीय एजेंसी से आपराधिक मामला दर्ज करने और जांच शुरू करने को कहा।

पीठ ने एक स्वतः संज्ञान जनहित याचिका, वी.वी. मिनरल्स और 29 अन्य की याचिकाओं पर आदेश पारित किया। उसने कहा कि यह अदालत इस मामले को सीबीआई को सौंपने के लिए उपयुक्त मामला मानती है और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को आपराधिक मामले दर्ज करने तथा जांच शुरू करने का निर्देश दिया जाता है।

फिर से रॉकेट हुआ महाकुंभ जाने का हवाई किराया

30 हजार रुपये के पार हुई मुंबई से प्रयागराज की टिकट

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ का समापन होने में कुछ ही दिन बचे हैं। 26 फरवरी को महाशिवरात्रि पर शाही स्नान है। इसी के साथ महाकुंभ का समापन हो जाएगा। अगर आप इन आखिरी दिनों में विमान से प्रयागराज जाने की सोच रहे हैं तो आपको जेब ज्यादा खाली करनी पड़ सकती है। प्रयागराज के लिए हवाई किराये में फिर से तेजी आ गई है। महाकुंभ के आखिरी दिनों में प्रयागराज जाने वाली फ्लाइट का किराया साधारण किराये के मुकाबले 8 गुना तक बढ़ गया है। बात अगर दिल्ली से प्रयागराज की करें तो यह किराया 25 हजार रुपये से ज्यादा चला गया है। वहीं मुंबई से प्रयागराज का किराया 30 हजार रुपये के पार हो गया है। मेकमाईट्रिप वेबसाइट के अनुसार दिल्ली से मुंबई तक का साधारण हवाई किराया करीब 4 हजार रुपये है। लेकिन महाकुंभ के आखिरी दिनों में इसमें बहुत तेजी आई है। वेबसाइट के मुताबिक अब आप 24 फरवरी को प्रयागराज जाना चाहते हैं तो विमान का किराया 25,474 रुपये प्रति यात्री खर्च करना पड़ेगा। वहीं अगले दिन यानी 25 फरवरी को किराया 17,529 रुपये प्रति यात्री है। मुंबई से प्रयागराज के किराए ने होश उड़ा दिए हैं। इसमें 8 गुना से ज्यादा तक की तेजी आई है। अगर आप कल यानी बुधवार को प्रयागराज जाना चाहते हैं तो आपको 32,503 रुपये प्रति यात्री किराया चुकाना होगा। 25 फरवरी तक का प्रयागराज का किराया 15 हजार रुपये प्रति यात्री से कम नहीं है।

अन्य शहरों से भी बढ़ा किराया

दिल्ली, मुंबई के अलावा देश के दूसरे शहरों से भी प्रयागराज के लिए किराया बढ़ गया है। बेंगलुरु से प्रयागराज तक का किराया 12 हजार रुपये से 38 हजार रुपये प्रति यात्री पहुंच गया है। पटना से भी किराया काफी महंगा हो गया है। 21 फरवरी को यह अधिकतम 27 हजार रुपये प्रति यात्री है। वहीं 26 फरवरी का किराया 11 हजार रुपये से कुछ ज्यादा है। **अंतिम शाही स्नान... इसलिए बढ़ा डिमांड-** 26 फरवरी को महाशिवरात्रि है। इस दिन महाकुंभ का शाही स्नान है। ऐसे में कुंभ में जाने वालों की संख्या में तेजी आई है। इसके चलते विमान के जरिए प्रयागराज पहुंचने वालों की संख्या में भी बढ़ोतरी हुई है, जिससे हवाई किराया आसमान पर पहुंच गया है।

पहले भी हुई थी बढ़ोतरी

यह पहली बार नहीं है जब प्रयागराज जाने के लिए हवाई किराए में तेजी आई है। पिछले महीने में भी इसमें काफी तेजी आई थी। उस समय 29 जनवरी को मौनी अमावस्या के मौके पर शाही स्नान के लिए जाने वाले लोगों की संख्या बढ़ गई थी। इससे हवाई किराया आसमान पर पहुंच गया था। हालांकि बाद में सरकार ने इसमें कुछ हस्तक्षेप किया था और किराए में कुछ कमी आई थी।

ऑस्ट्रेलिया के केंद्रीय बैंक ने ब्याज दर घटाई

- अक्तूबर 2020 के बाद पहली बार किया ऐसा

मेलबर्न , एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के केंद्रीय बैंक ने देश में मुद्रास्फीति कम होने के बीच मंगलवार को अक्तूबर, 2020 के बाद पहली बार अपनी प्रमुख ब्याज दर में कमी की। रिजर्व बैंक ऑफ ऑस्ट्रेलिया ने वर्ष की अपनी पहली बोर्ड बैठक में नकद दर को एक चौथाई प्रतिशत अंक घटाकर 4.35 फीसदी से 4.1 प्रतिशत कर दिया। दिसंबर तिमाही में मुद्रास्फीति सिर्फ

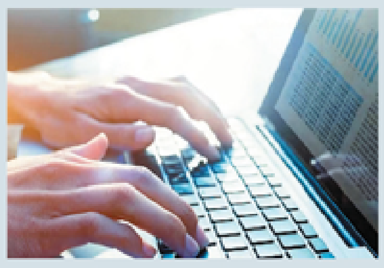

0.2 फीसदी और कैलेंडर वर्ष 2024 के लिए 2.4 प्रतिशत बढ़ने के बाद कटौती का व्यापक अनुमान लगाया गया था। दो साल पहले वार्षिक मुद्रास्फीति 7.8 प्रतिशत के उच्चतम स्तर पर थी। बैंक मुद्रास्फीति को दो प्रतिशत से तीन प्रतिशत के बीच के लक्ष्य दायरे में रखने के लिए ब्याज दरों में हेरफेर करता है। दिसंबर में ऑस्ट्रेलिया में बेरोजगारी दर चार प्रतिशत के रिकॉर्ड निम्न स्तर पर रही, जो नवंबर में 3.9 फीसदी थी। दर में यह बदलाव प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज की वामपंथी लेबर पार्टी सरकार के लिए एक स्वागत योग्य घटनाक्रम है, जो 17 मई को होने वाले चुनावों में फिर से चुनाव लड़ेगी।

पीएम-आशा योजना को 2025-26 तक जारी रखने की मंजूरी

कई राज्यों में तुअर की खरीद शुरू

नईदिल्ली, एजेंसी। केंद्र ने 15वें वित्त आयोग के कार्यकाल जो 2025-26 तक एकीकृत प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान (पीएम-आशा) योजना को जारी रखने को मंजूरी दे दी है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, एकीकृत पीएम-आशा योजना का उद्देश्य किसानों से खरीद करने की प्रक्रिया को प्रभावी बनाना है। यह किसानों को लाभकारी मूल्य प्रदान करने और आवश्यक वस्तुओं की मूल्य अस्थिरता को नियंत्रित करने के लिए महत्वपूर्ण है। केंद्रीय नोडल एजेंसियों की ओर से पूर्व-पंजीकृत किसानों से एकीकृत पीएम-

आशा योजना के तहत खरीदारी की जाती है। इसके तहत मूल्य समर्थन योजना (पीएसएस) के अंतर्गत, निर्धारित उचित औसत गुणवत्ता (एफएक्यू) के आधार पर अधिसूचित दलहनों, तिलहनों और खोपरा की खरीद, राज्य स्तरीय एजेंसियों के माध्यम से सीधे एमएसपी (न्यूनतम समर्थन मूल्य) पर खरीद होती है। सरकार ने पीएसएस के तहत 2024-25 खरीद वर्ष के लिए राज्य के उत्पादन के 100 प्रतिशत के बराबर तुअर, उड़द और मसूर की खरीद की अनुमति दी है। बजट 2025 में सरकार ने यह भी घोषणा की है कि देश में दालों के मामले में आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए राज्य के उत्पादन के 100 प्रतिशत तक तुअर (अरहर), उड़द और मसूर की खरीद अगले चार वर्षों तक जारी रहेगी। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने खरीफ 2024-25 सीजन के लिए पीएसएस के तहत आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात, हरियाणा, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, तेलंगाना और उत्तर प्रदेश में कुल 13.22 लाख टन तुअर (अरहर) की खरीद को मंजूरी दे दी है।

कार मालिकों के लिए रिश्वतखोरी की राजधानी बन चुका है दिल्ली-एनसीआर

नई दिल्ली, एजेंसी। आपको यदि कोई मोटर वाहन होगा तो आप भी इस समस्या से जरूर दो-चार हुए होंगे। जबसे मोटर वाहन कानून के तहत लाल बत्ती जंप करने या दोपहिया वाहन में हेलमेट नहीं लगाने या फिर कार में सीट बेल्ट नहीं लगाने का तगड़ा जुर्माना हो गया है, तब से रिश्वत का बाजार गर्म हो गया है। जिन्हें ट्रैफिक हवलदार पकड़ते हैं, वे कुछ ले-देकर जान छुड़ाने के चक्कर में रहते हैं। एक सर्वे रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली-एनसीआर देश में रिश्वत की राजधानी के रूप में उभरता दिख रहा है।

चालान से बचने के लिए रिश्वत- डिजिटल-फर्स्ट सर्वे प्रोवाइडर पार्क+ रिसर्च लैब्स ने मंगलवार को एक सर्वे रिपोर्ट प्रकाशित किया। इसमें बताया गया है कि दिल्ली-एनसीआर की सड़कों पर रिश्वतखोरी की घटना बढ़ रही है। इस सर्वे के मुताबिक 64 प्रतिशत दोषियों ने स्वीकार किया कि उन्होंने ट्रैफिक चालान से बचने के लिए रिश्वत दी। इनमें से 42 प्रतिशत लोगों ने लंबी कानूनी प्रक्रिया को मुख्य कारण बताया, जबकि 20 प्रतिशत ने डर के कारण रिश्वत देने की बात कबूल की। ये चौंकाने वाले आंकड़े एक महत्वपूर्ण सवाल खड़ा करता है कि क्या दिल्ली-एनसीआर भारत की रिश्वत राजधानी बन चुकी है

दिल्ली-एनसीआर की हालत सबसे खराब- सर्वे में बताया गया है कि दिल्ली-एनसीआर में 30 लाख से अधिक मोटर वाहन पंजीकृत हैं। इस बीच ट्रैफिक जाम, नियमों के उल्लंघन और सड़क पर झगड़ों की घटनाएं आम हो गई हैं। दिल्ली पुलिस को रोजाना वाहन से जुड़े झगड़ों (पार्किंग विवाद, दुर्घटनाएं आदि) की शिकायतों के लिए 200 से अधिक कॉल मिलती हैं। ट्रैफिक नियमों को लागू करने के लिए दिल्ली पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है।

क्या है कार मालिकों का अनुभव

इसमें बताया गया है कि दिल्ली-एनसीआर में कार मालिकों के लिए ड्राइविंग का अनुभव मध्यम दर्जे का बना हुआ है। इस इलाके में जहां बुनियादी ढांचा सीमित है, वहीं पुलिसिंग असंगत है और ड्राइविंग शिष्टाचार तो ना के बराबर है। देखा जाए तो यह सर्वे दिल्ली-एनसीआर में ट्रैफिक प्रबंधन की गंभीर चुनौतियों को उजागर करता है, जहां ट्रैफिक उल्लंघन, जाम और विवाद कानून व्यवस्था को और जटिल बना देते हैं।

रिश्वत में कितनी रकम दी जाती है

इस सर्वे के मुताबिक अधिकतर लोग 500 रुपये या इससे कम रकम पुलिसवालों को रिश्वत के रूप में देते हैं। तभी तो 500 से कम की छोटी रिश्वतें कुल मामलों के 69.6 प्रतिशत हिस्से में रही। लोग वक्त पड़ने पर 1,000 का भी जुर्माना देते हैं। इस रकम के 27.4 प्रतिशत मामले दर्ज किए गए, जो बढ़ती रिश्वतखोरी की ओर इशारा करता है। इनमें से 20 प्रतिशत लोगों ने डर के कारण रिश्वत देने की बात स्वीकार की।

सऊदी अरब की कुल जीडीपी पर भारी हैं भारत की ये दो कंपनियां, भारती एयरटेल ने सबको पीछे छोड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की कंपनियां तेजी से अपना कारोबार बढ़ा रही हैं और उनके मार्केट कैप में तेजी आ रही है। एशिया के सबसे बड़े रईस मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज और टाटा ग्रुप की दिग्गज टेक कंपनी टीसीएस का कंबाइंड मार्केट कैप सऊदी अरब की पूरी जीडीपी से भी ज्यादा है। हुरुन की 2024 बरगंडी प्राइवेट हुरुन इंडिया 500 लिस्ट के मुताबिक देश की टॉप 10 कंपनियों की कुल वैल्यू 22.7 लाख करोड़ रुपये बढ़कर 96 लाख करोड़ रुपये हो गई है। यह भारत की जीडीपी का लगभग एक तिहाई है। इस लिस्ट में रिलायंस और टीसीएस इस लिस्ट में सबसे ऊपर हैं। लेकिन सुनील मित्तल की भारती एयरटेल ने पिछले साल सबसे ज्यादा वैल्यू जोड़ी है। एयरटेल के मार्केट कैप में साल 2024 में 4 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा की तेजी आई। हुरुन इंडिया के फाउंडर और चीफ रिसर्चर अनस रहमान जुनैद ने कहा कि ये कंपनियां भारत के निजी क्षेत्र की रीढ़ हैं, जिनका आर्थिक प्रभाव बहुत महत्वपूर्ण है। इनकी कुल वैल्यू 3.8 ट्रिलियन डॉलर है, जो भारत की सालाना जीडीपी से भी ज्यादा है। इस लिस्ट में शामिल कंपनियां 84 लाख लोगों को रोजगार देती हैं। इस लिस्ट में रिलायंस इंडस्ट्रीज 17,52,650 करोड़ रुपये के मार्केट कैप के साथ सबसे आगे है।

कौन-कौन है टॉप 10 में

तीसरे नंबर पर ।।छत्रष्ट बैंक है जिसकी मार्केट वैल्यू 14,22,570 करोड़ रुपये है। भारती एयरटेल 9,74,470 करोड़ रुपये के साथ चौथे नंबर पर है। आइसीआइसीआइसीआइ बैंक 9,30,720 करोड़ रुपये के मार्केट कैप के साथ इस लिस्ट में पांचवें नंबर है। छठे नंबर मौजूद इन्फोसिस की बाजार हैसियत 7,99,400 करोड़ रुपये है। सातवें नंबर पर मौजूद आइटीसी का मार्केट कैप 5,80,670 करोड़ रुपये है। इसके बाद लार्सन एंड टुब्रो (5,42,770 करोड़ रुपये), एचसीएल टेक्नोलॉजीज (5,18,170 करोड़ रुपये) और एनएसई (4,70,250 करोड़ रुपये) है।

मनाक्शिया कोटेड मेटल्स इंडस्ट्रीज ने क्यू3 एफवाय25 में 208 करोड़ कुल आय की रिपोर्ट दी है

मुंबई , एजेंसी। मनाक्शिया कोटेड मेटल्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड एक प्रमुख कोटेड मेटल उत्पादों का निर्माता और निर्यातक है। प्री-पेंटेड गैल्वनाइज्ड स्टील और प्लेन गैल्वनाइज्ड स्टील, दोनों कोइल और शीट रूपों में विशेषज्ञता रखने वाली इस कंपनी ने क्यू3 और 9एम एफवाय25 के लिए अपने अनऑडिटेड वित्तीय परिणामों की रिपोर्ट दी है। कामगिरी पर टिप्पणी करते हुए श्री करण अग्रवाल, व्होल टाइम डायरेक्टर, मनाक्शिया कोटेड मेटल्स एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने कहा, हम अपनी क्यू3 एफवाय25 की प्रदर्शन से खुश हैं, जो मजबूत राजस्व वृद्धि, सुधारित लाभप्रदता, और बढ़ती वैश्विक उपस्थिति को दर्शाता है। यह वृद्धि बेहतर संचालन क्षमता, रणनीतिक पहलों, और उच्च-मूल्य वाले उत्पादों पर लगातार ध्यान केंद्रित करने के कारण हुई है। हमारी प्री-पेंटेड स्टील पर जोर देना सफलता का एक प्रमुख कारण बना हुआ है, जिसका राजस्व में बढ़ता योगदान हमारे मूल्य-वर्धित उत्पादों की ओर बढ़ते हुए कदमों को मजबूत करता है। यह संक्रमण न केवल हमारे मार्जिन को सुदृढ़ करता है, बल्कि यह उद्योग की बदलती मांगों के अनुरूप भी है।

इसके अतिरिक्त, गैल्वनाइज्ड और प्री-पेंटेड स्टील दोनों के उत्पादन में मजबूत वृद्धि हमारे उत्पादन क्षेत्र की उत्कृष्टता और हमारे उत्पादों के लिए बढ़ती बाजार की मांग को उजागर करती है। निर्यात एक महत्वपूर्ण वृद्धि प्रेरक बना हुआ है, जिसमें अंतर्राष्ट्रीय बिक्री में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जिससे हमारे प्रमुख वैश्विक बाजारों में स्थिति और मजबूत हुई है। एक मजबूत निर्यात आदेश पाइपलाइन हमारे गुणवत्ता और विश्वसनीयता में नेतृत्व को उजागर करती है। भविष्य के विस्तार का समर्थन करने के लिए, हमने सफलतापूर्वक ताजे इक्विटी पूंजी को प्राप्त किया है, जिसे क्षमता वृद्धि, प्रौद्योगिकी उन्नयन, और हरित ऊर्जा और स्थिरता पहलों में निवेश के लिए उपयोग किया जाएगा।

आईआईएम रायपुर ने पूर्णतः वित्तपोषित पीएच.डी. कार्यक्रम 2025 के लिए आवेदन आमंत्रित किए

रायपुर। भारतीय प्रबंध संस्थान रायपुर, जिसे व्यवसाय नेतृत्व के निर्माण के लिए जाना जाता है, ने अपने पूर्णकालिक पीएचडी कार्यक्रम 2025 के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू करने की घोषणा की है। आवेदन की अंतिम तिथि 10 मई 2025 निर्धारित की गई है। यह पूर्णकालिक, पूरी तरह से वित्त पोषित कार्यक्रम वैश्विक स्तर पर मान्यता प्राप्त विद्वानों को विकसित करने के लिए संरचित किया गया है, जो प्रबंधन शोध और शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए सक्षम होंगे।

बाणगंगा पेपर इंडस्ट्रीज ने क्यू3 एफवाय25 में 2,079 लाख की समेकित कुल आय की रिपोर्ट की

नासिक, एजेंसी। बाणगंगा पेपर इंडस्ट्रीज लिमिटेड (बीएसई – 512025), (पूर्व में इनर्शिया स्टील लिमिटेड के नाम से ज्ञात), जो विभिन्न प्रकार के क्राफ्ट पेपर के प्रमुख निर्माता और आपूर्तिकर्ता में से एक है, ने अपने त्त8 और 9एम एफवाय25 के परिणामों की घोषणा की है। बाणगंगा पेपर इंडस्ट्रीज लिमिटेड के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर, श्री कारभारी धात्रक ने टिप्पणी करते हुए कहा, हम क्यू3 एफवाय2 5 में हमारे उत्कृष्ट प्रदर्शन से प्रसन्न हैं, जो हमारी उन्नत निर्माण क्षमताओं और हमारी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी, बांगेगा पेपर मिल्स की सतत वृद्धि से प्रेरित है। हमारी अत्याधुनिक सुविधा प्रतिदिन 100 मीट्रिक टन से अधिक क्राफ्ट पेपर का उत्पादन करती है, जिससे हम टिकाऊ और उच्च गुणवत्ता वाले पेपर उत्पादों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। पर्यावरण के अनुकूल निर्माण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता, जिसमें पुनर्नवीनीकरण सामग्री का उपयोग और संसाधनों का कुशल प्रबंधन शामिल है, उद्योग में हमें अलग बनाता है। भविष्य में हुए, हमें अपने परिचालन ताकतों और बाजार के अवसरों का लाभ उठाकर आने वाले तिमाहियों में निरंतर वृद्धि प्रदान करने का विश्वास है।

अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर ज़ी टीवी सितारों के दिल से निकली अपनी ज़ुबान की मिठास

मुंबई, एजेंसी। भाषा सिर्फ बातचीत का ज़रिया नहीं, बल्कि हमारी पहचान है। ये हमारी जड़ों से जोड़ने वाली डोर है, हमारी संस्कृति की रखवाली करने वाली आवाज़ है और हमारे जज़्बातों की सबसे सच्ची तस्वीर भी। अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस हमें याद दिलाता है कि जिस भाषा में हम सोचते हैं, महसूस करते हैं, हंसते हैं और रोते हैं, वही हमारे दिल के सबसे करीब होती है। हमारी मातृभाषा में कहानियां पीढ़ी दर पीढ़ी बहती हैं, परंपराएं जिंदा रहती हैं और जज़्बात अपनी सबसे खूबसूरत शक्ल में ढलते हैं।

भाषाई विविधता का जश्न मनाना सिर्फ अलग-अलग बोलियों को पहचानने की बात नहीं, बल्कि उस सुकून, आत्मविश्वास और अपनापन महसूस करने की बात है, जो अपनी भाषा बोलने से आता है। इसी खास मौके पर जमाई नं. 1 के अभिषेक मलिक, भाग्य लक्ष्मी की ऐश्वर्या खरे, जागृति - एक नई सुबह के आर्य बब्बर, बस इतना सा ख्वाब की राजश्री ठाकुर, कैसे मुझे तुम मिल गए की हेमांगी कवि और वसुधा के सचिन पारेख जैसे ज़ी टीवी के कलाकार अपनी मातृभाषा के लिए अपने प्यार और जुड़ाव की अनमोल कहानियां साझा कर रहे हैं।

यूनिटी बैंक ने मध्यप्रदेश में अपना विस्तार किया

भोपाल। नये जमाने की बैंक यूनिटी स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड (यूनिटी बैंक) ने भारत के दिल, यानि मध्यप्रदेश में अपनी उपस्थिति को बढ़ाया है। इसके तहत बैंक ने भोपाल में 2 नई शाखाओं का उद्घाटन किया है। यूनिटी बैंक का यह विस्तार राज्य में व्यवसाय के लिये बढ़ रहे अवसरों का लाभ उठाने के लिये हुआ है। इसमें ग्राहकों को जमा राशि पर आकर्षक ब्याज दरें और उद्यमियों तथा आम लोगों को तैयार वित्तीय समाधानों की पेशकश की जायेगी। यह शाखाएं भोपाल की त्रिलंगा और अरेरा कॉलोनी में खोली गई हैं।

यूनिटी बैंक वरिष्ठ नागरिकों के लिये 9.50त्र प्रतिवर्ष की आकर्षक दर पर सावधि जमा की पेशकश करती है, जबकि दूसरे निवेशक 9.00त्र प्रतिवर्ष की दर से ब्याज अर्जित कर सकते हैं। यूनिटी बैंक बचत खातों के लिये 7.50त्र प्रतिवर्ष, 5 लाख रूपये से ज्यादा की शेषराशि पर ... और 1 लाख रूपये अधिक तथा 5 लाख रूपये तक के जमा शेष पर 7.2 प्रतिशत प्रतिवर्ष ब्याज देती है (मासिक भुगतान)। इसके अलावा, चुनिंदा शाखाओं में प्रतिस्पर्द्धी दरों पर लॉकर्स भी उपलब्ध हैं। यूनिट बैंक के भोपाल में आने का लक्ष्य है वहाँ बढ़ रहे व्यवसाय के अवसरों का लाभ उठाना। ग्राहकों को जमाराशि पर आकर्षक ब्याज दरें देना, एसएमई और एमएसएमई को बिजनेस लोन देना तथा इससे महत्वपूर्ण, मध्यप्रदेश के नागरिकों को ज्यादा स्मार्ट, तेज और सशक्त बैंक के साथ बैंकिंग करने का मौका देना भी उसका लक्ष्य है।

एसआरएम इंस्टीट्यूट ने लॉन्च किया इंटीग्रेटेड मास्टर ऑफ पब्लिक हेल्थ प्रोग्राम

चेन्नई। चेन्नई स्थित एसआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ ने हाल ही में एक अभिनव पांच वर्षीय इंटीग्रेटेड मास्टर ऑफ पब्लिक हेल्थ प्रोग्राम की शुरुआत की है। यह विशेष रूप से अगली पीढ़ी के पब्लिक हेल्थ लीडरों को तैयार करने के लिए विकसित किया गया है जिससे वे जटिल वैश्विक एवं स्थानीय स्वास्थ्य चुनौतियों से निपटने में समर्थ बनेंगे। प्लस टू परीक्षा में न्यूनतम कुल 60 प्रतिशत अंकों के साथ अपनी स्कूली शिक्षा पूरी करने वाले छात्रों के लिए यह प्रोग्राम खुला है। इस प्रोग्राम के अंतर्गत एक सुसंरचित पाठ्यक्रम तैयार किया गया है जो महामारी विज्ञान, जैव सांख्यिकी, स्वास्थ्य प्रणाली एवं नीति, स्वास्थ्य परियोजना प्रबंधन और स्वास्थ्य अनुसंधान को समावेशित करते हुए वैश्विक एवं स्थानीय स्वास्थ्य मुद्दों को एकीकृत करता है।

प्लम्बर बाथवेयर ने दुनिया की पहली होरिज़ोंटल पीलिंग मशीन 'इन्नोपील' बनाने के लिये आदित्य मेकैट्रॉनिक्स को मेंटर किया

इंदौर, एजेंसी। एक्वा प्लम्बिंग्स प्रा. लि. के अग्रणी बाथवेयर ब्रैंड प्लम्बर बाथवेयर ने अपनी विनिर्माण प्रक्रिया में टेक्नोलॉजी की एक महत्वपूर्ण उन्नति की घोषणा की है। इस ब्रैंड ने एक अत्याधुनिक होरिज़ोंटल पीलिंग मशीन 'इन्नोपील'लॉन्च की है। इन्नोपील को आदित्य मेकैट्रॉनिक्स के साथ भागीदारी में मिलकर विकसित किया गया है और यह एक 360-डिग्री पीलिंग सॉल्यूशंन देती है। इस सॉल्यूशन में पार्टिंग लाइंस और जॉइंट्स की जरूरत नहीं रहती है। इससे खूबसूरती बढ़िया बनी रहती है और फाउसेट के विनिर्माण की प्रक्रिया बेहतर हो जाती है। आशा है कि यह उन्नत मशीन प्लम्बर बाथवेयर की फाउसेट के उत्पादन की क्षमता को लगभग 30त्र बढ़ा देगी।

दुनिया में अभी उपलब्ध टेक्नोलॉजी मुख्य रूप से वर्टिकल स्पाइंडल पीलिंग पर निर्भर करती है, जिसमें 180-डिग्री की सतह पर काम होता है। इन्नोपील अपने उन्नत होरिज़ोंटल स्पाइंडल सिस्टम के साथ एक नया मापदण्ड तय करती है और पूरे 360-डिग्री पीलिंग सॉल्यूशन को संभव बनाती है। यह नई खोज सतह की सटीकता बढ़ाती है और फाउसेट के विनिर्माण में बेजोड़ क्षमता भी सुनिश्चित करती है।

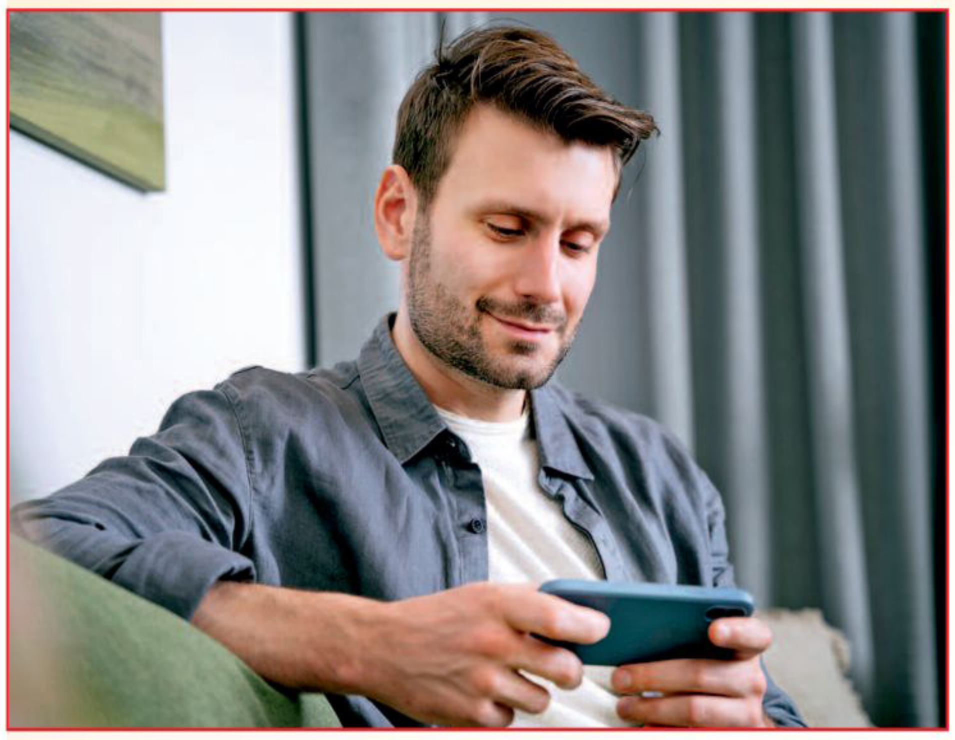

आज के दौर में मोबाइल, टैबलेट और लैपटॉप जैसे गैजेट्स पर बढ़ती निर्भरता के कारण हर उम्र के लोगों का स्क्रीन टाइम बढ़ता जा रहा है। इसका सीधा असर हमारे शारीरिक-मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ता है। नतीजा, कई तरह की बीमारियों के चंगुल में हम फंसते जा रहे हैं। ऐसी समस्याओं से बचने के लिए किन बातों का ध्यान रखें, इस बारे में बहुत जरूरी सुझाव।

कई बीमारियों की वजह बढ़ता स्क्रीन टाइम

डॉक्टर्स एडवाइस
डॉ. हर्षल साल्वे
एडिशनल प्रोफेसर-सेंटर फॉर कम्युनिटी मेडिसिन, एम्स, दिल्ली

चाहे ऑफिस से जुड़ा काम-काज हो या करनी हो स्टडी, ऑनलाइन शॉपिंग करनी हो या फिर अपनों के साथ चैटिंग, ऐसी अनेक एक्टिविटीज की वजह से लोगों का स्क्रीन टाइम बढ़ता जा रहा है। यह सेहत के लिए बहुत नुकसानदेह साबित होता है। इसकी वजह से लोगों को कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं घेरने लगती हैं। इनके बारे में जरूर पता होना चाहिए, ताकि इनसे बचाव किया जा सके।

सर्वाइकल स्पॉन्डिलाइटिस

कंप्यूटर या लैपटॉप के साथ लगातार घंटों काम करते समय अधिकतर लोगों को अपने सही पोस्चर का ध्यान नहीं रहता। टाइपिंग करते समय अकसर लोगों की गर्दन झुक जाती है, इससे उनकी गर्दन और कंधे में दर्द की समस्या होने लगती है। अगर लंबे समय तक ध्यान न दिया जाए तो इससे सर्वाइकल स्पॉन्डिलाइटिस की समस्या हो सकती है।

बचाव के उपाय: कंप्यूटर, लैपटॉप या मोबाइल पर टाइप

करते समय अपनी गर्दन सीधी रखें। लगातार बहुत देर तक काम न करें। हर एक घंटे के अंतराल पर बीच में उठकर पांच से दस मिनट का ब्रेक लें। इससे गर्दन में दर्द की समस्या नहीं होगी।

ओवरवेट यानी ओबेसिटी

जो लोग इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स के साथ ज्यादा वक्त बिताते हैं, उनकी शारीरिक गतिविधियां सीमित हो जाती हैं। साथ ही काम के दौरान होने वाली बोरियत को दूर करने के लिए अधिकतर लोग बिस्किट, चॉकलेट, चिप्स, वेफर्स या जंक फूड्स जैसी अधिक कैलोरी वाली चीजों का सेवन करते हैं, इससे उनका वजन बढ़ जाता है और ओबेसिटी जैसी समस्या परेशान करने लगती है।

बचाव के उपाय: चाहे कितनी भी व्यस्तता हो, नियमित एक्सरसाइज और वॉक के लिए समय जरूर निकालें। काम के दौरान अगर बीच में हल्की भूख लगे तो मंचिंग के लिए हाई कैलोरी वाले जंक फूड के बजाय फल, भुने चने और मुरमुरे जैसी चीजों का सेवन करें।

पीठ और कमर में दर्द

कंप्यूटर या लैपटॉप पर टाइप करते हुए अधिकतर लोग अपनी पीठ और कमर के सही पोस्चर का भी ध्यान नहीं रखते हैं। इसी वजह से उनकी पीठ और कमर में दर्द की समस्या होती है। लगातार एक ही मुद्रा में बैठकर काम करना या पीठ को सीधी न रखना इस समस्या की बड़ी वजह है।

बचाव के उपाय: चाहे आप बेड पर बैठें या कुर्सी पर आपकी पीठ हमेशा सीधी होनी चाहिए। कुर्सी टेबल पर बैठकर काम करते समय तकिए या कुशन का सहारा लेना चाहिए। इससे पीठ और कमर में दर्द नहीं होगा।

डायबिटीज-हाई ब्लडप्रेशर-कोलेस्ट्रॉल

स्क्रीन के साथ ज्यादा वक्त बिना किसी फिजिकल एक्टिविटी के बिताने वाले लोगों के शरीर में अतिरिक्त कैलोरी और फैट का संग्रह होने लगता है। इसी वजह से उनमें डायबिटीज, हाई ब्लडप्रेशर और कोलेस्ट्रॉल की आशंका भी बढ़ जाती है।

बचाव के उपाय: घी-तेल और चीनी से बने फूड आइटम्स से दूर रहें। नियमित रूप से एक्सरसाइज और वॉक के लिए समय जरूर निकालें।

कलाई और अंगुलियों में दर्द

आजकल लोग घंटों तक मोबाइल पर चैटिंग करते हैं या स्क्रीन स्क्रॉल करके रील्स देखते रहते हैं। इससे उन्हें अंगुलियों और कलाई में दर्द की समस्या भी होती है।

बचाव के उपाय: मोबाइल देखने के समय में कटौती करें, जहां तक संभव हो लोगों को टेक्स्ट मैसेज भेजने के बजाय वॉयस नोट भेजें।

अनिद्रा की समस्या

सोशल मीडिया पर एक्टिव रहने और रील्स देखने की लत के कारण अधिकतर लोग देर रात तक जागते हैं, जिससे उनकी नींद पूरी नहीं होती। इससे उनमें चिड़चिड़ापन, थकान और आंखों में जलन जैसी समस्याएं भी होती हैं। नींद की कमी के कारण स्मरण शक्ति भी कमजोर पड़ने लगती है। पाचन संबंधी समस्याएं भी परेशान करती हैं।

बचाव के उपाय: रोजाना कम से कम आठ घंटे की नींद जरूर लें। रात को सोने से एक घंटे पहले से मोबाइल को स्विच ऑफ कर दें, लैपटॉप और टीवी स्क्रीन से भी दूर रहें। रात को सोते समय मोबाइल को बेडरूम से बाहर रखें।

सिर में दर्द

मोबइल पर लगातार चैटिंग करने से लोगों को सिर में दर्द की समस्या भी होती है। लगातार रील्स स्क्रॉल करते रहने की आदत ब्रेन की सेहत के लिए नुकसानदेह होती है। इससे खास तरह की न्यूरोलॉजिकल समस्या होती है, जिसे ब्रेन रोट प्रॉब्लम कहते हैं। इसमें लोगों को ध्यान केंद्रित करने और सोचने-समझने की क्षमता में गिरावट आती है।

बचाव के उपाय: अपने मोबाइल में सोशल मीडिया के नोटिफिकेशन के बटन को ऑफ रखें। मनोरंजन के लिए किताबें पढ़ना या टीवी देखना ज्यादा बेहतर विकल्प हैं। इसलिए जहां तक संभव हो मोबाइल से दूर रहें।

मेंटल हेल्थ पर बुरा असर

लंबे समय तक लगातार सोशल मीडिया पर एक्टिव रहने और मोबाइल, लैपटॉप के साथ ज्यादा वक्त बिताने के कारण लोगों में एंग्जायटी, स्ट्रेस, उदासी और डिप्रेशन जैसी मनोवैज्ञानिक समस्याओं की आशंका बढ़ जाती है। ऐसा करने वाले लोग इंट्रोवर्ट और उदास रहने लगते हैं। ज्यादा रील्स देखने से सोचने-समझने और निर्णय लेने की क्षमता घटने लगती है।

बचाव के उपाय: सचेत तरीके से अपना स्क्रीन टाइम घटाने की कोशिश करें। खाली समय में अकेलापन या उदासी दूर करने के लिए मोबाइल स्क्रॉल करने से बचें, बल्कि खुद को कुकिंग, बागवानी, पेंटिंग और लेखन जैसे रचनात्मक कार्यों में व्यस्त रखने की कोशिश करें। अपनों से मिलने-जुलने और बातचीत के लिए समय निकालें। ध्यान

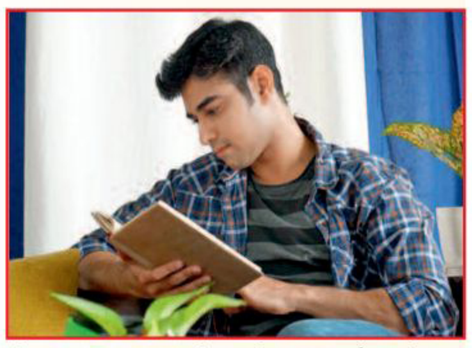

रहे, जब भी आप किसी से मिलने जाएं, उस दौरान मोबाइल को अपने पर्स में रख दें। इससे आपके स्क्रीन टाइम में कटौती होगी और आप अपनों के साथ क्वॉलिटी टाइम बिता पाएंगे।

अगर आप यहां बताई गई बातों का ध्यान रखेंगे तो मोबाइल और गैजेट्स के सीमित इस्तेमाल के वाबजूद आपको कोई स्वास्थ्य समस्या नहीं होगी। *

प्रस्तुतिः विनीता

बच्चों का भी बढ़ रहा स्क्रीन टाइम

आजकल एक-दो साल की उम्र से ही लोग रोते बच्चों को बहलाने के लिए उनके हाथों में मोबाइल पकड़ा देते हैं।

इसी वजह से उन्हें मोबाइल की लत लग जाती है और अकसर वे मोबाइल देखे बिना खाना तक नहीं खाते। ऑनलाइन क्लास और स्टडी की वजह से भी बच्चे लैपटॉप और स्मार्टफोन के साथ काफी वक्त गुजारते हैं। मोबाइल के स्क्रीन से ब्लू लाइट वैसे तो बड़ों के लिए भी नुकसानदेह होती है, लेकिन बच्चों की कोमल आंखों पर इसका ज्यादा बुरा असर पड़ता है।

बचाव के उपायः दो वर्ष से कम उम्र के बच्चों को स्क्रीन से पूरी तरह दूर रखें। पांच वर्ष के बाद बच्चे मोबाइल तो देख सकते हैं, लेकिन उनका स्क्रीन टाइम 2 घंटे से अधिक नहीं होना चाहिए। अमेरिकन एसोसिएशन ऑफ पीडियाट्रिक्स के अनुसार बच्चों को सोने से एक घंटे पहले से ही स्क्रीन न देखने दें। अगर परिवार में बड़े भी यह नियम अपनाएं तो यह उनके लिए फायदेमंद साबित होगा।

आंखों के लिए भी है बहुत हार्मफुल

स्क्रीन टाइम बढ़ने का बुरा असर आंखों पर भी बहुत अधिक पड़ रहा है। मोबाइल, लैपटॉप, कंप्यूटर या टीवी स्क्रीन के साथ ज्यादा वक्त बिताने की वजह से लोगों की आंखों की मांसपेशियों में खिंचाव और दर्द महसूस होता है। स्क्रीन पर लगातार देखने के कारण पलकें झपकाने का मौका नहीं मिलता, इससे आंखों की नमी सूखने लगती है। आंखों में ड्राइनेस की समस्या के कारण खुजली, जलन और लालिमा जैसी परेशानियां हो सकती हैं।

बचाव के उपायः आंखों को स्क्रीन से होने वाले नुकसान से बचाने के लिए 20: 20: 20 का फॉर्मूला अपनाएं। यानी, हर 20 मिनट के अंतराल पर 20 सेकेंड का ब्रेक लेकर 20 फीट की दूरी पर रखी किसी वस्तु को

देखें। इसके अलावा फोन के स्क्रीन को ज्यादा नजदीक से न देखें। लैपटॉप का स्क्रीन भी लगभग डेढ़ फीट की दूरी पर होना चाहिए। लैपटॉप पर काम करते समय हर 20 मिनट के अंतराल पर अपनी दोनों हथेलियां बंद पलकों पर रखें, इससे आंखों की थकान दूर होगी। ब्राइट लाइट का रिफ्लेक्शन सीधे स्क्रीन पर नहीं होना चाहिए। आप जिस कमरे में रहते हैं, वहां की प्रकाश व्यवस्था संतुलित होनी चाहिए।

ज्यादा तेज या बहुत हल्की रोशनी दोनों ही आंखों के लिए नुकसानदेह होती है, अपने कमरे में हमेशा मीडियम रोशनी का प्रबंध रखें। अगर आंखों में कोई तकलीफ न हो तो भी साल में एक बार आई चेकअप अवश्य कराएं।

- सर गंगाराम हॉस्पिटल, नई दिल्ली की सीनियर आई स्पेशलिस्ट डॉ. इकेदा लाल

त्रिदोष नाशक कच्ची हल्दी

घरेलू औषधि / रेखा देशराज

हल्दी, भारतीय रसोई के सबसे लोकप्रिय मसालों में से एक है। लेकिन यह एक प्रभावी जड़ी-बूटी भी है। जी हां, आयुर्वेद में हल्दी के सैकड़ों तरह के औषधीय उपयोग हजारों सालों से मौजूद हैं।

त्रिदोष को करती है दूरः आयुर्वेद में हल्दी को 'त्रिदोष नाशक' माना गया है। बहुत कम ऐसी चीजें होती हैं, जिनमें वात, पित्त और कफ को संतुलित करने की क्षमता होती है। हल्दी कुछ गिनी-चुनी औषधियों में से है, जिसमें इन तीनों को संतुलित करने का गुण पाया जाता है। इसलिए हल्दी को त्रिदोष नाशक कहा जाता है।

होते हैं अनेक औषधीय गुणः जिन्हें सूजन से संबंधित परेशानियां होती हैं, जैसे गठिया आदि में अपने एंटीइंफ्लेमेट्री गुण के कारण हल्दी सूजन को कम करती है और परेशानी से राहत पहुंचाती है। हल्दी में एंटीऑक्सीडेंट्स भी पाए जाते हैं, जो शरीर को फ्री-रेडिकल्स से बचाते हैं। हल्दी रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाती है। हल्दी के सेवन से पाचन में सुधार होता है। यह गैस, अपच और पेट फूलने जैसी समस्याओं में बेहद

फायदेमंद है। कहीं कट-फट जाए तो हल्दी का पेस्ट ऐसे घावों और संक्रमण को तेजी से ठीक करने में मददगार होती है। दाग, धब्बों, मुहांसों और त्वचा संबंधी दूसरी परेशानियों को हल्दी दूर करती है। हल्दी रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रण करने में मदद करती है। इसमें पाया जाने वाला यौगिक करक्यूमिन कैंसररोधी होता है। इसलिए हल्दी के सेवन से कैंसर कोशिकाओं के विकास को रोकने में मदद मिलती है। हल्दी का पेस्ट त्वचा की जलन, खुजली, एग्जिमा और सोरायसिस जैसी समस्याओं में फायदेमंद होता है। हल्दी को दूध में मिलाकर या काढ़े के रूप में पीने से गले की खराश दूर होती है। सर्दी लगने पर भी फायदेमंद होती है।

इन बीमारियों में भी है कारगरः जिन्हें लगातार अपच, एसिडिटी और पेट दर्द की शिकायत रहती है, उन्हें अदरक के साथ मिलाकर कच्ची हल्दी भूनकर चूसना चाहिए या दांतों से चबाकर उसका रस पीना चाहिए। इससे पेट संबंधी ये सारी शिकायतें खत्म हो जाती हैं। हल्दी लिवर को डिटॉक्स करने में और इसकी कार्यक्षमता को बढ़ाने में बहुत मददगार होती है। जो घाव लंबे समय से भर न रहा हो, उसमें शुद्ध शहद में हल्दी के पावडर को मिलाकर लेप करना चाहिए। डायबिटीज की समस्या में कच्ची हल्दी के रस का सेवन फायदेमंद होता है, क्योंकि यह इंसुलिन संवेदनशीलता को बढ़ाता है। हल्दी रक्त में कोलेस्ट्रॉल के स्तर को भी नियंत्रित करती है। क्योंकि हल्दी दिमाग की सूजन को कम करती है, इसलिए यह याद्दाश्त सुधारने में मददगार होती है। जिन्हें अस्थमा और ब्रोंकाइटिस की समस्या हो, उन्हें हल्दी का सेवन करना चाहिए। *

हालांकि ब्लड डोनेशन को लेकर समाज में कई तरह के मिथ प्रचलित हैं। लेकिन सच्चाई यह है कि ब्लड डोनेशन से कोई नुकसान नहीं होता। इससे कई तरह के फायदे ही होते हैं। इस बारे में आपको जरूर पता होना चाहिए।

ब्लड डोनेशन से नहीं होता किसी तरह का नुकसान

अवेयरनेस
डॉ. माजिद अलीम

समय-समय पर रक्तदान करना यानी ब्लड डोनेशन के बारे में आप जरूर जानते होंगे। इसमें रक्तदान आयोजित करने वाले कैंप्स में ब्लड ग्रुप के अनुसार ब्लड एकत्रित किया जाता है और जब किसी को रक्त की जरूरत हो, तो उसे यह रक्त चढ़ाया जाता है।

प्रचलित हैं भ्रांतियांः यह बहुत हैरत की बात है कि रक्तदान करने के नाम पर हमारे समाज में कई मिथ और धारणाएं प्रचलित हैं कि रक्तदान करने से शरीर में कमजोरी आ जाती है और अपने रक्त को किसी को यूं ही क्यों दान दे दिया जाए की सोच के चलते लोग रक्तदान करने से कतराते हैं। हकीकत में ऐसा नहीं है। रक्तदान करने का मतलब है, किसी को जीवनदान देना। रक्तदान एक ऐसा दान है, जिसे कोई भी स्वस्थ व्यक्ति कर सकता है। क्या आपको पता है कि आपके एक यूनिट रक्तदान करने से तीन लोगों की जान बचाई जा सकती है?

क्या है रक्तदानः रक्तदान करने से पहले रक्तदान करने वाले यानी डोनर के शरीर की कुछ विशेष किस्म की जांच की जाती है और उसके रक्त की गुणवत्ता की जांच करने के बाद ही उससे रक्तदान कराया जाता है। इसमें डोनर के ब्लड के करीब ढाई सौ मिलीलीटर रक्त की मात्रा को मशीन की सहायता से एक बैग में जमा किया जाता है। इस बैग को परीक्षणों के बाद ब्लड बैंकों में स्टोर कर दिया जाता है और इस जमा ब्लड को मरीज की जरूरत के अनुसार दिया जाता है।

इसका रखें ध्यानः अगर आप रक्तदान करना चाहते हैं, तो इसके लिए समय-समय पर विभिन्न स्वयं सेवी संगठनों द्वारा विभिन्न अस्पतालों में या डिस्पेंसरीज में रक्तदान के कैंप आयोजित किए जाते हैं। जहां जाकर आप रक्तदान कर सकते हैं, इसके लिए रजिस्ट्रेशन कराना होता है। चिकित्सक मेडिकल चेकअप के बाद आपका ब्लड लेते हैं। इस प्रक्रिया में 10 से 15 मिनट लगते हैं।

कौन कर सकता है रक्तदानः रक्तदान करने के लिए रक्तदाता का सेहतमंद होना जरूरी है। उसका वजन कम से कम 50 किलोग्राम हो और उम्र कम से कम 18 और अधिकतम 65 साल होनी चाहिए। कोई भी स्वस्थ व्यक्ति हर तीन महीने पर रक्तदान कर सकता है। यदि उस व्यक्ति के घर में किसी को इमरजेंसी में रक्त की जरूरत हो तो एक महीने के बाद भी डॉक्टर उसे रक्तदान की इजाजत दे देते हैं। रक्तदान करते समय रक्त देने वाले का ब्लड प्रेशर, तापमान और नाड़ी की गति सामान्य होनी चाहिए। हीमोग्लोबिन लेवल भी 12.5 से कम नहीं होना चाहिए।

कौन नहीं कर सकता रक्तदानः हेपेटाइटेस बी, सी, टीबी, लैप्रोसी, एचआईवी, अस्थमा के मरीज, दिल के मरीज रक्तदान नहीं कर सकते। यदि किसी महिला की डिलीवरी हुई हो या वह बच्चे को दूध पिला रही हो तो उसका भी रक्तदान स्वीकार नहीं होता। मासिक धर्म के दौरान, मिस कैरेज के 6 महीने के भीतर, टैटू, पियर्सिंग कराने के 6 महीने के भीतर ब्लड डोनेट नहीं किया जा सकता। वैक्सीनेशन, एंटीबॉयाटिक, आयुर्वेद, होम्योपैथिक दवाइयों का नियमित सेवन करने वालों को भी रक्तदान के लिए पात्र नहीं समझा जाता।

ब्लड डोनेशन के फायदेः विभिन्न अध्ययन भी इस बात की पुष्टि करते हैं कि नियमित रक्तदान करने वालों में कोलेस्ट्रॉल लेवल कम होता है। ब्लड प्रेशर में भी कमी आती है, जिससे हार्ट अटैक के खतरे कम होते हैं। यह कार्डियोवैस्कुलर बीमारियों के जोखिम को भी कम करता है। रक्तदान करने से पहले बहुत सारी जांचें की जाती हैं, जिससे शरीर में किसी भी किस्म के विकार का पता चल जाता है। रक्तदान का सबसे बड़ा लाभ तो यह होता है कि मन में फील गुड आता है कि हमने समाज के लिए कुछ अच्छा कार्य किया है और हमारे रक्त से अगर किसी की जान बच जाती है तो यह भी एक पुण्य का कार्य है। *

वैसे तो अधिकांश आसन युवा लोग कर सकते हैं, इसके लाभ उठा सकते हैं। लेकिन पार्श्व उपविष्ठ कोणासन, ऐसा आसन है, जिसे युवा बहुत पसंद करते हैं। इसकी क्या वजह है, इसे करने की विधि, लाभ और सावधानियों के बारे में जानिए।

युवाओं का पसंदीदा योगासन पार्श्व उपविष्ठ कोणासन

योगोपचार
दिव्यज्योति 'नंदन'

पार्श्व उपविष्ठ कोणासन, जिसे अंग्रेजी में वाइड एंगल सीटेड फॉरवर्ड वेंड पोज या संक्षेप में साइड सीटेड एंगल पोज भी कहते हैं, युवाओं को सूर्य नमस्कार की तरह सबसे ज्यादा पसंदीदा आसनों में से एक है। शायद इसकी वजह यह भी है कि यह एक ऐसा आसन है, जिसे ज्यादा बूढ़े या अधेड़ लोग मुश्किल से कर पाते हैं और बच्चों को इसे करने की जरूरत नहीं होती। इस तरह यह मूलतः युवाओं का ही आसन माना जाता है, क्योंकि इस आसन के लिए जितनी फ्लेक्सिबिलिटी की जरूरत होती है, उतनी लोच-लचक आमतौर पर युवाओं में ही आसानी से मिलती है।

इससे होने वाले फायदेः नियमित रूप से उपविष्ठ कोणासन करने से कई तरह के फायदे होते हैं। इस आसन से पैरों के निचले और भीतरी हिस्से को अच्छा स्ट्रेच मिलता है, जिससे वे सुडौल और टोंड दिखती हैं। इसे करने से पेट के भीतरी अंग भी टोंड और स्टिमुलेट होते हैं। यह रीढ़ की हड्डी को मजबूत बनाता है। शरीर को रिलैक्स और दिमाग को शांत करता है। इससे साइटिका और अर्थराइटिस की समस्या दूर होती है। इसके अभ्यास से किडनी स्वस्थ और सक्रिय रहती है। यह युवाओं के लिए विशेष रूप से सिक्स पैक एब्स हासिल करने में मददगार होता है। यह अस्थमा से राहत दिलाता है। इससे लोअर बॉडी का फैट कम होता है तथा वजन को कम करता है।

करने का सही तरीकाः सबसे पहले अपने योगा मैट पर बिल्कुल सीधे होकर बैठ जाएं। अब दोनों पैरों को जितना संभव हो, एक-दूसरे के विपरीत 90 डिग्री के कोण में फैलाने की कोशिश करें। इस दौरान अपने दोनों पैरों के पंजों को आगे की तरफ झुकाए रखें और दोनों पैरों को जितना सहा जा सकता हो, उतना सीधा करें। इस अवस्था में कमर के नीचे के हिस्से में जितना झुकाव महसूस होगा, उतना ही अच्छे से यह आसन होगा। लेकिन इसे करने के पहले इस बात पर ध्यान दें कि सारे योगाचार्यों ने इस आसन के बारे में खासतौर पर कहा है कि अगर असुविधा महसूस हो रही हो तो इसे तुरंत बंद कर दें। शुरुआती दौर में यह करने के लिए मुलायम गद्दी का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इस आसन में अपनी दोनों हथेलियों को हिप्स के पीछे योगा मैट पर रखें और लंबी-गहरी सांसें भीतर की तरफ खींचें। कुछ सेकेंड तक

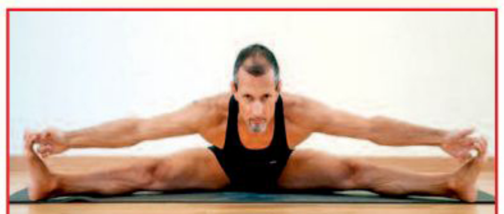

इस स्थिति में रुकें और फिर जब पैरों को अच्छा स्ट्रेच महसूस होने लगे, तब सांस छोड़ते हुए पेट को भीतर की तरफ खींचें और सामने की तरफ झुक जाएं। अब अपने दोनों हाथों को भी धीरे-धीरे सामने की तरफ लाएं। स्पाइन को जितना हो सके स्ट्रेच करें। एक मिनट से ज्यादा इसे न करें। एक मिनट के बाद धीरे-धीरे सांस छोड़ते हुए पुरानी सामान्य स्थिति में वापस आएं। घुटनों को मोड़ें और पैरों को फिर से एक साथ सीध में लाएं।

बरतें सावधानीः उपविष्ठ कोणासन करते समय कुछ बातों का जरूर ध्यान रखें। इसे तब बिल्कुल न करें, जब रीढ़ की हड्डी में दर्द हो। अगर किसी तरह की गंभीर बीमारी से गुजर रहे हैं तो भी इसे न करें। गर्दन में दर्द हो, कंधों में दर्द की समस्या रहती हो, घुटनों में दर्द या अर्थराइटिस हो तो यह आसन करने से बचें और करें भी तो किसी योग्य योगाचार्य की मौजूदगी में ही करें। जब तक अच्छी तरह सीख न जाएं, तब तक उपविष्ठ कोणासन योगा ट्रेनर की मौजूदगी में ही करें, कभी अपने आप न करें। जब दक्ष हो जाएं तब अकेले करें। *

रॉयल पत्रिका को पेमेंट करने का तरीका

रॉयल पत्रिका में भुगतान नकद या चेक द्वारा रॉयल पत्रिका के पंजाब नेशनल बैंक, त्रिपोलिया बाजार, जयपुर के खाता संख्या 1939002100241695 में या पंजाब नेशनल बैंक की किसी भी नजदीकी शाखा में जमा करवा सकते हैं अथवा IFSC Code PUNB0193900 पर भी भुगतान नेट बैंकिंग के द्वारा कर सकते हैं। आपके सहयोग के लिए धन्यवाद।

-संपादक

Scan Here

भाई की शादी के बाद

काम पर लौटीं प्रियंका

प्रियंका चोपड़ा हाल ही में मुंबई में अपने भाई सिद्धार्थ चोपड़ा की शादी में शामिल होने के लिए पहुंची थीं। अब ऐसा लगता है कि वह वापस अपने काम पर लौट आई हैं। शादी में उनके साथ उनके पति निक जोनास और ससुराल वाले भी थे। हाल ही में अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल के स्टोरीज सेक्शन में अपने नाखूनों को संवारते हुए एक वीडियो डाला। ऐसा लग रहा है कि देसी गर्ल अपनी अगली फिल्म की शूटिंग की तैयारी कर रही हैं।

रिपोर्ट्स की मानें तो अभिनेत्री को साउथ के सुपरस्टार महेश बाबू की अगली फिल्म एसएसएमबी 29 में लीडिंग लेडी के तौर पर लिया गया है। इस बहुप्रतीक्षित प्रोजेक्ट को आरआरआर मेकर एसएस राजामौली डायरेक्ट कर रहे हैं। इस बीच प्रियंका चोपड़ा को रविवार को मुंबई एयरपोर्ट पर देखा गया। वह हैदराबाद जा रही थीं, जहां माना जा रहा है कि एसएसएमबी 29 की शूटिंग होगी। अभिनेत्री ने नियॉन ग्रीन को-ऑर्ड सेट में फैंस का ध्यान आकर्षित किया। हैदराबाद पहुंचने के बाद उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक छोटी क्लिप शेयर की। हालांकि, फिल्म प्रेमियों को अभी भी आधिकारिक पुष्टि का इंतजार है। महेश बाबू की फिल्म भगवान हनुमान से प्रेरित बताई जा रही है। रिपोर्टों पर विश्वास किया जाए, तो यह महत्वाकांक्षी फिल्म 900-1,000 करोड़ रुपये के भारी बजट पर बनाई जाएगी। बहुप्रतीक्षित फिल्म के दो भागों में बनाए जाने की उम्मीद है। एसएसएमबी29 से प्रियंका चोपड़ा 23 साल के लंबे अंतराल के बाद तेलुगु सिनेमा में वापसी करेंगी। उन्हें आखिरी बार पी. रविशंकर की 2002 की रोमांटिक एंटरटेनर अपुरूपम में देखा गया था। इसके अलावा, अभिनेत्री की आखिरी बॉलीवुड रिलीज शोनाली बोस की 2016 की ड्रामा द स्काई इज पिंक थी। एसएसएमबी 29 के साथ, प्रियंका चोपड़ा ने अपने पति निक जोनास और जोनास भाइयों के साथ एक हॉलिडे फिल्म के लिए हाथ मिलाया है। इसके अलावा, अभिनेत्री अपने ब्लॉकबस्टर शो सिटाडेल के दूसरे सीजन का भी हिस्सा होंगी।

फैंस को मिलेगा सिकंदर का सरप्राइज

सलमान खान की आगामी फिल्म सिकंदर का उनके फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। फिल्म के पोस्टर को लेकर सलमान ने सरप्राइज शेयर किया है। बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान के फैंस उनकी फिल्म सिकंदर का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। सलमान खान ने सोशल मीडिया पर साजिद नाडियाडवाला के साथ तस्वीर शेयर कर बताया कि आज दोपहर तीन बजकर तैंतीस मिनट पर सलमान की फिल्म का नया लुक, मोशन पोस्टर या ट्रेलर रिलीज हो सकता है। इस खबर को सुनने के बाद सलमान के फैंस बेहद उत्साहित नजर आ रहे हैं। फिल्म के टीजर के जरिए सलमान गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई को सीधी चेतावनी दे रहे हैं। दरअसल, काले हिरण वाले मामले में लगातार लॉरेंस बिश्नोई सुपरस्टार सलमान खान को कई बार धमकियां दे चुके हैं। यहां तक की उनकी हत्या की साजिश भी रची जा चुकी है, लेकिन कभी सलमान ने लॉरेंस को जवाब नहीं दिया।

सिकंदर का निर्देशन ए.आर. मुरुगदास ने किया है।

असली फेमिनिज्म ऑनलाइन हैशटैग से अलग है: कृतिका कामरा

अभिनेत्री कृतिका कामरा हाल ही में महिलावाद पर बात करती नजर आईं। उन्होंने कहा कि असली फेमिनिज्म ऑनलाइन हैशटैग और सोशल मीडिया से परे की बात है। अगर बातों में समानता नहीं है तो फिर इस पर चर्चा का भी कोई फायदा नहीं। अभिनेत्री कृतिका कामरा महिला संबंधी मसलों पर काफी मुखर होकर बात करती हैं। हाल ही में वे फेमिनिज्म पर बात करती दिखीं। उनका मानना है कि नारीवाद सिर्फ बात करने तक सीमित विषय नहीं है, बल्कि इस दिशा में काम करने की जरूरत है। कृतिका का मानना है कि अगर आपकी बातों में महिलावाद नहीं दिखाई देता है तो फिर इस मुदे पर बात करने का भी कोई मतलब नहीं।

बोलीं- हैशटैग से आगे की चीज नारीवाद

अभिनेत्री कृतिका कामरा ने हाल ही में फेमिनिज्म पर बात करते हुए कहा कि तमाम लोग इसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर आपकी सक्रियता से जोड़ते हैं। सोशल मीडिया एक्टिविज्म को फेमिनिज्म मानते हैं। ऐसा नहीं है। सच्चा नारीवाद ऑनलाइन हैशटैग और पोस्ट से कहीं आगे तक जाता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि नारीवाद का अर्थ समाज के हर पहलू में, विशेषकर एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में लगातार कोशिशें करना है।

आशुतोष राणा स्टारर कौशल जी वर्सेज कौशल का ट्रेलर रिलीज

जल्द ही दर्शकों को ओटीटी पर कन्नौज शहर की एक कहानी देखने को मिलेगी। इसमें आशुतोष राणा और शीबा चड्ढा मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। हाल ही में फिल्म 'कौशलजी वर्सेज कौशल' का ट्रेलर रिलीज हुआ है। इसमें दिखाया गया है कि जब माता-पिता मॉर्डन बनते हैं तो क्या होता है? ऐसे में घर के बच्चे क्या करते हैं? कैसे परिवार में आई मुश्किल का हल निकालते हैं?

जल्द ही ओटीटी पर रिलीज होने वाली फिल्म 'कौशलजी वर्सेज कौशल' का ट्रेलर रिलीज हुआ है। इस महीने यह फिल्म ओटीटी पर आएगी। फिल्म के ट्रेलर में आशुतोष राणा और शीबा चड्ढा पहले तो एक प्यार करने वाले कपल नजर आते हैं लेकिन अचानक कहानी ऐसा मोड़ लेती है कि दोनों अलग होने की बात करते हैं। ऐसे में परिवार के बच्चे क्या फैसला लेते हैं? इस कहानी को कभी हंसी भरे अंदाज तो कभी इमोशनल ढंग से कहा गया है।

क्या है फिल्म की कहानी

फिल्म 'कौशलजी वर्सेज कौशल' 27 साल के युग कौशल की कहानी है, जो कन्नौज से दिल्ली आता है। यहां आकर मॉर्डन बनता है, साथ ही अपने माता-पिता को भी मॉर्डन बनने की सलाह देता है। ऐसे में जब उसके माता-पिता मॉर्डन सोच के साथ अलग होने की बात करते हैं तो वह हैरान हो जाता है। अब कौशल क्या करेगा? यही फिल्म की कहानी है।

फिल्म में कौशल जी की मुख्य भूमिका निभा रहे आशुतोष राणा का कहना है, 'यह फिल्म रिश्तों, प्यार और शादी की मॉर्डन दिक्कतों पर अच्छा नजरिया सामने रखती है। यह किरदार निभाना मेरे लिए एक बेहतरीन अनुभव था। मेरे किरदार को कव्वाली पसंद है। यह हास्य से भरा है। यह फिल्म दर्शकों के लिए एक रोलर-कोस्टर राइड की तरह होगी और उनके दिल को छू लेगी।'

21 फरवरी को होगा फिल्म का प्रीमियर

इस फिल्म में मिसेज कौशल बनीं शीबा चड्ढा कहती हैं, 'शादी सिर्फ प्यार के बारे में नहीं है, यह समझ, समझौता और कभी-कभी, बेतुकी लड़ाइयों के बारे में भी है। श्रीमती कौशल का मेरा किरदार ऐसा है जिससे कई महिलाएं खुद को जोड़ पाएंगी।' 21 फरवरी को जीयोहॉटस्टार पर फिल्म 'कौशलजी वर्सेज कौशल' का प्रीमियर होगा। इसमें प्यार, हंसी और रिश्तों को दूसरा मौका देने की बातें दिखाई जाएंगी।

अवनीत कौर ने माता वैष्णो देवी के दरबार में लिया आशीर्वाद

टीवी और बॉलीवुड की जानी-मानी एक्ट्रेस अवनीत कौर अपनी खूबसूरती और स्टाइल के लिए हमेशा चर्चा में रहती हैं। एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं और फैंस के साथ अपनी शानदार तस्वीरें और वीडियो शेयर करती हैं। हाल ही में अवनीत अपने धार्मिक यात्रा की वजह से सुर्खियों में आईं, क्योंकि वह माता वैष्णो देवी के दरबार पहुंची थीं। अवनीत ने अपनी वैष्णो देवी यात्रा की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की, जिसमें वह बेहद खूबसूरत और पूरी श्रद्धा के साथ माता रानी का आशीर्वाद ले रही थीं। उन्होंने पोस्ट में लिखा, जय माता दी। ये मेरी पहली वैष्णो देवी यात्रा है और मैं खुद को धन्य महसूस कर रही हूं। तस्वीरों में अवनीत ट्रेडिशनल लुक में दिख रही हैं, उनके सिर पर दुपट्टा और माथे पर तिलक उनकी भक्ति को दर्शा रहे हैं। इन तस्वीरों पर फैंस खूब प्यार लुटा रहे हैं और जय माता दी लिखकर उन्हें शुभकामनाएं दे रहे हैं। कई लोग उनकी श्रद्धा की तारीफ भी कर रहे हैं। अवनीत कौर की ये तस्वीरें तेजी से वायरल हो रही हैं और फैंस उनके धार्मिक अंदाज को बहुत पसंद कर रहे हैं। अभिनेत्री जल्द ही अपने आने वाले प्रोजेक्ट्स में नजर आएंगी, लेकिन फिलहाल वह अपनी इस आध्यात्मिक यात्रा का पूरा आनंद ले रही हैं।

ऋतिक रोशन संग एक ही फ्रेम में नजर आईं अमीषा पटेल

अभिनेत्री अमीषा पटेल ने सोशल मीडिया पर अभिनेता ऋतिक रोशन के साथ एक तस्वीर शेयर की। 'सोनिया' और 'रोहित' की तस्वीर को देखकर उनके फैंस बेहद उत्साहित नजर आए और कमेंट कर उन्हें 'कहो ना प्यार है 2' के लिए शुभकामनाएं दी। प्रशंसकों को 'कहो ना प्यार है' के सीक्वल का बेसब्री से इंतजार है। उनके रीयूनियन की तस्वीरें और वीडियो वायरल होने के बाद फैंस 'कहो ना प्यार है 2' की मांग करते नजर आए। अमीषा ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर ऋतिक के साथ तस्वीर शेयर की, जिसके साथ उन्होंने 'कहो ना प्यार है' के टाइटल ट्रैक को भी एड किया। तस्वीर में दोनों साथ में पोज देते नजर आए। कहो ना प्यार है के किरदार को मेंशन करते हुए अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा, 'सोनिया' के 'रोहित' के साथ प्यारी शाम- मेरे लिए आप हमेशा पहले मेरे डुग्गू ब्रोसनन रहेंगे और फिर बाद में सुपरस्टार हैं। साल 2000 में रिलीज हुई फिल्म 'कहो ना प्यार है' के निर्माता-निर्देशक राकेश रोशन हैं। ऋतिक और अमीषा दोनों के बॉलीवुड डेब्यू को बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त सफलता मिली थी। रोमांटिक ड्रामा में अनुपम खेर, दलीप ताहिल, मोहनीश बहल, आशीष विद्यार्थी, सतीश शाह, फरीदा जलाल, आशा पटेल, राजेश टंडन और तनाज ईरानी भी अहम भूमिका में थे।

नेटफ्लिक्स की द रोशन्स की स्टार-स्टडेड सक्सेस बैश में ऋतिक ने अमीषा के साथ एक दिल को छू लेने वाला पल शेयर किया। इवेंट में रेखा, नीतू कपूर, अमीषा पटेल, अनु मलिक, सबा आजाद, शबाना आजमी, जावेद अख्तर, भूषण कुमार, मल्लिका शेरावत, पश्मीना रोशन, जीतेंद्र, अलका यागनिक, जैकी और टाइगर श्रॉफ, अनुपम खेर, वाणी कपूर, सिद्धार्थ आनंद, उदित नारायण और डेविड धवन समेत कई मशहूर हस्तियां शामिल हुईं।

क्या एक और साउथ फिल्म में हो गई जान्हवी कपूर की एंट्री?

अल्लू अर्जुन के साथ काम करने की खबर

साल 2024 अल्लू अर्जुन के लिए बेहद शानदार रहा। उनकी फिल्म पुष्पा 2 ने बॉक्स ऑफिस पर जमकर गदर काटा। अब वे अपनी अगली फिल्म को लेकर चर्चा में आ गए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अल्लू अर्जुन निर्देशक त्रिविक्रम श्रीनिवास के साथ काम शुरू करने वाले थे, लेकिन प्रोजेक्ट में कुछ देरी होने के चलते वे अपने शेड्यूल में बदलाव कर सकते हैं। अब कहा जा रहा है कि एक्टर फिल्म निर्माता एटली की अगली फिल्म पर काम शुरू करने वाले हैं। और इसमें उनके साथ जान्हवी कपूर नजर आ सकती हैं। अल्लू अर्जुन काफी लंबे वक्त से निर्माता-निर्देशक एटली के साथ काम करने के इच्छुक हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक एक्टर उनके साथ एक हाई एक्शन फिल्म में काम करने वाले हैं, जिसका जल्द एलान किया जाएगा। इस बीच अटकलें लगाई जा रही हैं कि अल्लू अर्जुन के साथ इस फिल्म में जान्हवी कपूर नजर आ सकती हैं। हालांकि, अभी आधिकारिक तौर पर ऐसी कोई जानकारी सामने नहीं आई है।

जान्हवी की तीसरी साउथ फिल्म होगी

फिल्म देवरा के बाद जान्हवी कपूर को तेलुगु दर्शकों के बीच अच्छी पहचान मिली है। इस फिल्म के बाद जान्हवी बुची बाबू सना द्वारा निर्देशित राम चरण की आगामी फिल्म में भी अहम भूमिका निभाने जा रही हैं। अगर, चल रहीं खबरों के मुताबिक जान्हवी के हाथ अल्लू अर्जुन की फिल्म लगती है तो यह उनकी तीसरी साउथ फिल्म होगी।

अर्जुन ने की मलाइका की बोलती बंद

बॉलीवुड अभिनेता अर्जुन कपूर इस समय अपनी फिल्म 'मेरे हसबैंड की बीवी' को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। इस मूवी में उनके साथ भूमि पेडनेकर, रकुल प्रीत सिंह समेत कई स्टार्स दिखाई देने वाले हैं, जो जल्द ही रिलीज होने वाली है। ऐसे में फिल्म की टीम इसे जमकर प्रमोट करते हुए भी नजर आ रही है। हाल ही में अभिनेता सोनी टीवी के डांस रियलिटी शो 'इंडियाज बेस्ट डांसर वर्सेस सुपर डांसर्स' के ग्रैंड फिनाले में नजर आए। इस शो में मलाइका अरोड़ा जज बनी हुई हैं। ऐसे में शो में दोनों के बीच काफी बातचीत हुई और इस दौरान एक्टर ने एक्ट्रेस की बोलती भी बंद करा दी। कि आखिर अर्जुन ने ऐसा क्या कहा कि मलाइका चुप हो गई।

वीडियो कॉल पर दर्ज नहीं होंगे समय रैना के बयान

रणवीर को 24 फरवरी को होना होगा पेश

यूट्यूबर समय रैना इस वक्त देश से बाहर हैं। उन्होंने महाराष्ट्र साइबर सेल से आग्रह किया था कि उनके बयान वीडियो कॉल के जरिए दर्ज कर लिए जाएं। मगर, साइबर सेल ने इससे इनकार कर दिया है। यूट्यूब शो इंडियाज गॉट लेटेंट विवाद पर कॉमेडियन समय रैना के बयान दर्ज होने हैं। फिलहाल वे विदेश में हैं। यूट्यूबर व कॉमेडियन रैना ने महाराष्ट्र साइबर सेल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अपने बयान दर्ज करने का अनुरोध किया था। इस समय विदेश में होने के कारण उन्होंने यह अनुरोध किया है। हालांकि, महाराष्ट्र साइबर सेल ने उन्हें कोई राहत देने से इनकार कर दिया। इसके अलावा यूट्यूबर रणवीर इलाहाबादिया को महाराष्ट्र साइबर सेल ने 24 फरवरी को पेश होने के लिए बुलाया है।

साभार एजेंसी

चैंपियंस ट्रॉफीः

सबसे ज्यादा रन से फिफ्टी तक, चैंपियंस ट्रॉफी में विराट कोहली बना सकते हैं ये 5 रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। चैंपियंस ट्रॉफी में भारतीय टीम अभियान की शुरुआत 19 फरवरी को करेगी। इस दौरान निगाहें विराट कोहली पर होंगी। कोहली के नाम पहले से ही वनडे इतिहास में किसी भी खिलाड़ी की तुलना में सबसे अधिक शतक हैं, लेकिन 2025 चैंपियंस ट्रॉफी में वह कई उपलब्धियां अपने नाम कर सकते हैं। आइए जानते हैं इसके बारे में

चैंपियंस ट्रॉफी में सबसे ज्यादा रन

529 रनों के साथ कोहली इस सूची में 11वें स्थान पर हैं,लेकिन उनसे ऊपर के दस बल्लेबाजों में से कोई भी 2025 चैंपियंस ट्रॉफी में नहीं खेलेगा। उन्हें सिर्फ रोहित शर्मा (481) और जो रूट (431) से ही टक्कर मिल सकती है। इसके अलावा चैंपियंस ट्रॉफी के इतिहास में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले क्रिस गेल (791) से सिर्फ 262 रन पीछे हैं।

चैंपियंस ट्रॉफी में भारत के लिए सबसे ज्यादा रन

विराट कोहली को शिखर धवन (701) को पीछे छोड़ने के लिए सिर्फ 173 रन की जरूरत है। इसके लिए उन्हें राहुल द्रविड़ (627) और सौरव गांगुली (665) को भी पीछे छोड़ना होगा।

वनडे इतिहास में दूसरे सबसे ज्यादा रन

सचिन तेंदुलकर (18,426) वनडे प्रारूप में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। विराट कोहली (13,963) को कुमार संगकारा (14,234) को पीछे छोड़ने और सर्वकालिक सूची में दूसरा स्थान हासिल करने के लिए केवल 271 रन की आवश्यकता है।

सबसे तेज 14,000 वनडे रन

कोहली ने अब तक 285 वनडे पारियों में बल्लेबाजी की है और अगर वह अपनी अगली 64 पारियों में 37 रन और बना लेते हैं तो भी वह 14,000 रन बनाने वाले सबसे तेज बल्लेबाज बन जाएंगे। तेंदुलकर ने 14,000 रन बनाने के लिए 350 पारियां ली थीं, जबकि संगकारा ने 378 पारियां खेली थीं। कोहली इस समय खराब फॉर्म में हैं, लेकिन उन्हें यह मुकाम आराम से हासिल करना चाहिए।

चैंपियंस ट्रॉफी में सबसे ज्यादा 50+ स्कोर

कोहली इस रिकॉर्ड को आसानी से हासिल कर सकते हैं। इस समय उन्होंने 5 50+ स्कोर किए हैं और रिकॉर्ड की बराबरी करने के लिए उन्हें सिर्फ एक और फिफ्टी की जरूरत है। इसे अपने नाम करने के लिए दो अर्धशतक की जरूरत है। दिलचस्प बात यह है कि छह-छह 50+ स्कोर के साथ गांगुली, द्रविड़, धवन उनसे आगे हैं।

भारतीय खिलाड़ियों के लिए गुड न्यूज!

- BCCI ने टूर्नामेंट से पहले किया बड़ा ऐलान

नई दिल्ली, एजेंसी। गुरूवार को भारतीय टीम चैंपियंस ट्रॉफी में अपने अभियान का आगाज करेगी. भारतीय टीम के सामने बांग्लादेश की चुनौती होगी. बहरहाल, भारत बनाम बांग्लादेश मुकाबले से पहले भारतीय खिलाड़ियों के लिए अच्छी खबर सामने आ रही है. दरअसल, पिछले दिनों बीसीसीआई ने अपने आदेश में कहा था कि किसी दौरे पर खिलाड़ी अपनी फैमली के साथ नहीं रह पाएंगे, लेकिन अब इसमें बदलाव की बात सामने आ रही है. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, चैंपियंस ट्रॉफी में खिलाड़ियों की फैमली एक मैच देख पाएगी.

ऑस्ट्रेलिया दौरे पर लचर प्रदर्शन के बाद बीसीसीआई ने लिया था कड़ा फैसला

बीसीसीआई ने चैंपियंस ट्रॉफी में खिलाड़ियों की फैमली को एक मैच देखने की छूट दी है, लेकिन इसके लिए बीसीसीआई से अनुमति लेनी होगी. इसके बाद चैंपियंस ट्रॉफी में खिलाड़ियों की फैमली एक मैच देख पाएगी. दरअसल, ऑस्ट्रेलिया दौरे पर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में भारतीय टीम के लचर प्रदर्शन के बाद बीसीसीआई ने कड़ा फैसला लिया था, लेकिन अब इसमें बदलाव संभव है. बीसीसीआई के नए नियमों के मुताबिक, भारतीय खिलाड़ी विदेशी दौरे पर अपनी फैमली के साथ कुछ समय बिता सकते हैं, अगर वह दौरा 45 दिनों से अधिक का है तो... लेकिन अगर दौरा उससे कम दिनों का है तो फैमली संग क्रिकेटर वक्त बिता नहीं पाएंगे. गौरतलब है कि चैंपियंस ट्रॉफी का आगाज 19 फरवरी से हो रहा है. वहीं, 20 फरवरी को भारतीय टीम बांग्लादेश के खिलाफ अपने अभियान का आगाज करेगी. इसके बाद रोहित शर्मा की अगुवाई वाली भारतीय टीम पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के खिलाफ खेलेगी. भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबला 23 फरवरी को खेला जाएगा. इसके बाद भारतीय टीम न्यूजीलैंड के सामने होगी.

आज से शुरू हो रही चैम्पियंस ट्रॉफी

टूर्नामेंट में हिस्सा ले रही टीमों और उनके प्लेयर्स पर डालें नजर

नई दिल्ली, एजेंसी। आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी की साल 2017 के बाद वापसी हो रही है और कल से टूर्नामेंट का आगाज होगा जिसमें 8 टीमें खिताब के लिए एक दूसरे से भिड़ेंगी। पाकिस्तान टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा लेकिन भारत अपने सभी मैच हाईब्रिड मॉडल के तहत दुबई में खेलेगा। पाकिस्तान गत चैम्पियन है ऐसे में वह 19 फरवरी को टूर्नामेंट की शुरूआत करेगा और पहला मैच न्यूजीलैंड से खेलेगा। वहीं भारत अपने अभियान की शुरूआत 20 फरवरी को बांग्लादेश के खिलाफ करेगा जबकि चैम्पियंस ट्रॉफी का हाई-वोल्टेज मैच 23 फरवरी को भारत-पाकिस्तान के बीच दुबई में होगा। आइए टूर्नामेंट से पहले सभी टीमों पर नजर डाल लेते हैं-

ग्रुप ए

बांग्लादेशः नजमुल हुसैन शान्तो (कप्तान), सौम्य सरकार, तन्जीद हसन, तौहीद हदोय, मुश्फिकुर रहीम, मोहम्मद महमुदुल्लाह, जेकर अली अनिक, मेहदी हसन मिराज, रिशाद हुसैन, तस्कीन अहमद, मुस्तफिजुर रहमान, परवेज हुसैन इमोन, नसुम अहमद, तन्जीम हसन साकिब, नाहिद राणा।

भारतः रोहित शर्मा (कप्तान), शुबमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल, ऋषभ पंत, हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, मोहम्मद शमी, अर्शदीप सिंह, रवींद्र जड़ेजा, वरुण चक्रवर्ती।

न्यूजीलैंडः मिशेल सेंटनर (कप्तान), माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, डेवोन कॉनवे, लॉकी फर्ग्यूसन, मैट हेनरी, टॉम लैथम, डेरिल मिशेल, विल ओरूर्के, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, बेन सियर्स, नाथन स्मिथ, केन विलियमसन, विल यंग।

पाकिस्तानः मोहम्मद रिजवान (कप्तान), बाबर आजम, फखर जमान, कामरान गुलाम, सऊद शकील, तैयब ताहिर, फहीम अशरफ, खुशदिल शाह, सलमान अली आगा, उस्मान खान, अबरार अहमद, हारिस रऊफ, मोहम्मद हसनैन, नसीम शाह, शाहीन शाह अफरीदी।

ग्रुप बी

अफगानिस्तानः हशमतुल्लाह शाहिदी (कप्तान), इब्राहिम जादरान, रहमानुल्लाह गुरबाज, सेदिकुल्लाह अटल, रहमत शाह, इकराम अलीखिल, गुलबदीन नायब, अजमतुल्ला उमरजई, मोहम्मद नबी, राशिद खान, नांग्याल खरोती, नूर अहमद, फजलहक फारूकी, फरीद मलिक, नवीद जादरान।

ऑस्ट्रेलियाः स्टीव स्मिथ (कप्तान), सीन एबॉट, एलेक्स कैरी, बेन ड्वारशुइस, नाथन एलिस, जेक फ्रेजर-मैकगर्क, आरोन हार्डी, ट्रैविस हेड, जोश इंगलिस, स्पेंसर जॉनसन, मार्नस लाबुशेन, ग्लेन मैक्सवेल, तनवीर सांघा, मैथ्यू शॉर्ट, एडम जुम्पा।

इंग्लैंडः जोस बटलर (कप्तान), जोफ्रा आर्चर, गस एटकिंसन, टॉम बैंटन, हैरी ब्रूक, ब्रायडन कार्से, बेन डकेट, जेमी ओवरटन, जेमी स्मिथ, लियाम लिविंगस्टोन, आदिल राशिद, जो रूट, साकिब महमूद, फिल साल्ट, मार्क वुड।

दक्षिण अफ्रीकाः टेम्बा बावुमा (कप्तान), टोनी डी जोरजी, मार्को जानसन, हेनरिक क्लासेन, केशव महाराज, एडेन मार्कराम, डेविड मिलर, वियान मुल्डर, लुंगी एनगिडी, कैगिसो रबाडा, रयान रिकेलटन, तबरेज़ शम्सी, ट्रिस्टन स्टब्स, रासी वैन डेर डुसेन, कॉर्बिन बॉश।

एक दिन की छूट, खिलाड़ी चुन लें डेट...

पत्नी को साथ ले जाने पर BCCI का नियम फिर टूटेगा

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान की मेजबानी में हुछह चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 का आगाज कल (19 फरवरी) होने वाला है. टूर्नामेंट का फाइनल 9 मार्च को होगा. भारतीय टीम अपना पहला मैच 20 फरवरी को बांग्लादेश के खिलाफ खेलेगी. मगर इससे पहले ही भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की ओर से एक बड़ी खबर सामने आ रही है. बीसीसीआई ने खिलाड़ियों को चैम्पियंस ट्रॉफी से पहले एक खुशखबरी दी है. भारतीय बोर्ड ने प्लेयर्स को टूर्नामेंट के दौरान अपनी फैमिली को साथ रखने की अनुमति दे दी है. हालांकि इसके लिए भी एक शर्त रखी है. इस फैसले के साथ ही बीसीसीआई का फैमिली नियम टूट गया है, कुछ दिन पहले ही बनाया गया था.

दरअसल, ऑस्ट्रेलिया दौरे पर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में मिली करारी हार के बाद बीसीसीआई ने रिव्यू मीटिंग के बाद कुछ सख्त नियम बनाए थे. इसमें विदेशी दौरों पर भारतीय क्रिकेटर्स का अपने परिवार के साथ बिताए जाने वाले समय को कम कर दिया था. नए नियमों के तहत अगर कोई टूर्नामेंट 45 या उससे ज्यादा दिनों का है तो परिवार को खिलाड़ियों के साथ सिर्फ 14 दिन रहने की इजाजत होगी, और अगर टूर इससे कम दिनों का है तो यह 7 दिन हो सकता है. वहीं नए नियमों के तहत पूरे टूर्नामेंट के दौरान पत्नियां खिलाड़ियों के साथ नहीं रह सकतीं हैं. परिवार सिर्फ 2 सप्ताह तक साथ रह सकता है.

भारतीय टीम सभी मैच दुबई में खेलेगी – बता दें कि चैम्पियंस ट्रॉफी में पहला मुकाबला पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच 19 फरवरी को कराची में खेला जाएगा. जबकि भारतीय टीम अपना पहला मैच 20 फरवरी को बांग्लादेश के खिलाफ खेलेगी. भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने पहले ही साफ कर दिया था कि भारतीय टीम पाकिस्तान दौरे पर नहीं जाएगी. इस वजह से टूर्नामेंट हाइब्रिड मॉडल के तहत कराया जा रहा है. भारतीय टीम अपने सभी मुकाबले दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेलेगी. ऐसे में भारतीय टीम का दूसरा मुकाबला पाकिस्तान के खिलाफ

एक ही मैच में साथ रहेगा परिवार

मगर अब बीसीसीआई ने अपने ही इस नियम को तोड़ दिया है. उसने चैम्पियंस ट्रॉफी के दौरान खिलाड़ियों को पैरेंट्स या पत्नी को साथ रखने की अनुमति दी है. हालांकि बीसीसीआई ने यह परमिशन सिर्फ एक ही मैच के लिए दी है. हालांकि फोकस टीम बॉन्डिंग के साथ ही ये भी सुनिश्चित करने पर रहेगा कि खिलाड़ी बिना किसी व्यवधान के साथ रहें. प्लेयर्स को टूर्नामेंट के दौरान किसी एक मैच के लिए परिवार को साथ रखने के लिए बोर्ड से पहले अनुमति लेनी होगी. खिलाड़ियों को अपनी पसंद के मैच के बारे में बोर्ड को सूचित करना होगा कि वह किस मैच में परिवार को साथ में रखना चाहता है और उसके अनुसार खिलाड़ी को अनुमति दी जाएगी ।

रणजी ट्रॉफीः

मुंबई के शिवम दुबे का कहर, 49 रन दे 5 बल्लेबाजों को भेजा पवेलियन

विदर्भ ने 59 रन पर गंवाए अंतिम 5 विकेट

नई दिल्ली, एजेंसी। रणजी ट्रॉफी के दूसरे सेमीफाइनल में मुंबई के ऑलराउंडर शिवम दुबे ने मैच के दूसरे दिन 18 फरवरी 2025 को जमकर कहर बरपाया। शिवम दुबे ने 11.5 ओवर में 49 रन देकर 5 विकेट चटकाए। उन्होंने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में तीसरी बार 5 या उससे ज्यादा विकेट लिए। यह शिवम दुबे की कातिलाना गेंदबाजी का ही असर था कि विदर्भ ने अपने आखिरी पांच विकेट महज 59 रन पर गंवा दिए।

विदर्भ ने पहले दिन 88 ओवर में गंवाए थे सिर्फ 5 विकेट – मैच के पहले दिन यानी 17 फरवरी 2025 को जब खेल खत्म हुआ था तब विदर्भ का स्कोर 88 ओवर में 5 विकेट पर 308 रन था। उस समय यश राठौड़ 86 गेंद में 47 रन बनाकर नाबाद थे। अक्षय वाडकर भी 35 गेंद में 13 रन बनाकर क्रीज पर टिके हुए थे। दूसरे दिन विदर्भ को पहला झटका शार्दुल ठाकुर ने दिया। शार्दुल ठाकुर ने 95वें ओवर की 5वीं गेंद पर यश राठौड़ को पवेलियन भेज दिया। उन्होंने खुद ही यश को कैच किया।

शार्दुल ने दूसरे दिन मुंबई को दिलाई पहली सफलता – यश राठौड़ 7 चौके की मदद से 113 गेंद में 54 रन बनाकर आउट हुए। उस समय टीम का स्कोर 6 विकेट पर 324 रन था। मुंबई के लिए रोस्टन डायस 100वां ओवर लेकर आए। उन्होंने पहली ही गेंद पर अक्षय वाडकर को आकाश आनंद के हाथों कैच करा दिया। अक्षय वाडकर 4 चौके की मदद से 62 गेंद में 34 रन बनाकर पवेलियन लौटे। इसके बाद मुंबई के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने 104वें ओवर के लिए शिवम दुबे को गेंद थमाई। शिवम दुबे ने कप्तान के फैसले को सही साबित किया। शिवम दुबे ने पहली ही गेंद पर नचिकेत भूते को शम्स मुलानी के हाथों कैच करा दिया। नचिकेत भूते 2 चौके की मदद से 18 गेंद में 11 रन बनाकर आउट हुए। शिवम दुबे ने 106वें ओवर की तीसरी गेंद पर हर्ष दुबे को आकाश आनंद के हाथों कैच कराया। हर्ष दुबे 3 चौके की मदद से 27 गेंद में 18 रन बनाकर पवेलियन लौटे। शिवम दुबे ने 108वें ओवर की 5वीं गेंद पर यश ठाकुर को शार्दुल ठाकुर के हाथों कैच कराकर विदर्भ की पारी का अंत किया। यश ठाकुर 4 गेंद में 3 रन ही बना पाए। यश ठाकुर जब पवेलियन लौटे तब तक विदर्भ के खाते में 383 रन जुड़ चुके थे। शिवम दुबे ने रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल के पहले दिन विदर्भ के दो बल्लेबाजों को पवेलियन की राह दिखाई थी।

विदर्भ नाम मुंबई मैच का संक्षिप्त स्कोर – विदर्भ की पारी की बात करें तो दानिश मालेवार उच्चतम स्कोरर रहे। उन्होंने 7 चौके और 1 छक्के की मदद से 157 गेंद में 79 रन बनाए। ध्रुव शौरी ने 9 चौके की मदद से 74 रन बनाए। यश राठौड़ ने 54 रन बनाए। दर्शन नालकंडे 18 गेंद में 12 रन बनाकर नाबाद रहे। मुंबई के लिए शम्स मुलानी ने 62 और रोस्टन डायस ने 48 रन देकर 2-2 विकेट लिए। शार्दुल ठाकुर ने 78 रन देकर 1 विकेट लिया।

सुरेश रैना ने बताया

2013 चैंपियंस ट्रॉफी ने कैसे 'धोनी रिव्यू सिस्टम' को जन्म दिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व ऑलराउंडर सुरेश रैना ने बताया कि कैसे दुनिया ने 2013 चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के अभियान के दौरान 'धोनी रिव्यू सिस्टम' के जन्म को देखा। भारत की 2013 चैंपियंस ट्रॉफी जीत ने उन्हें अपराजित टूर्नामेंट की जीत के रास्ते पर सर्वश्रेष्ठ टीमों को पछाड़ते हुए देखा। वेस्टइंडीज के खिलाफ उनके दूसरे मैच में सभी पहलुओं में उनका दबदबा दिखा, क्योंकि भारत ने एक खतरनाक प्रतिद्वंद्वी पर 8 विकेट से जीत हासिल की।

चैंपियंस ट्रॉफी स्पेशल के एक विशेष एपिसोड द सुरेश रैना एक्सपीरियंस में रैना ने गेंदबाजी पारी के प्रबंधन में एमएस धोनी की सामरिक प्रतिभा पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कैसे विकेटकीपर बल्लेबाज ने सटीक डीआरएस कॉल, आक्रामक फील्ड सेटअप और साहसिक निर्णयों के साथ टीम की सफलता को अधिकतम किया।

रैना ने कहा, ओवल बल्लेबाजी के लिए अनुकूल सतह है। लेकिन अगर आप वेल्स के मौसम पर विचार करते हैं, तो आपको आसमान के साथ-साथ पिच पर भी नजर डालनी होगी। यहीं से धोनी रिव्यू सिस्टम की शुरुआत हुई। उन्होंने जो भी डीआरएस लिया, वह सही था। स्टंप के पीछे उन्हें कैच लेते हुए देखिए। सबसे अच्छी बात थी उनका आक्रामक फील्ड प्लेसमेंट। विराट कोहली स्लिप में थे, अश्विन लेग स्लिप पर थे और धोनी स्टंप के पीछे थे। उन्हें पता था कि दबाव कैसे बनाया जाता है। यह टी20 क्रिकेट का उदय था, जहां खिलाड़ी हमेशा आक्रमण करने की कोशिश करते थे। उनका मास्टरस्ट्रोक स्पिनरों को लाना और उन्हें आक्रमण करने के लिए चुनौती देना था।

उस मैच में रवींद्र जडेजा की शानदार गेंदबाजी रैना को पसंद आई जिन्होंने 5-36 के आंकड़े के साथ अपने साथी की शानदार गेंदबाजी पर आश्चर्य व्यक्त किया।

टूर्नामेंट शुरू होने के एक दिन पहले घर लौटे भारतीय गेंदबाजी कोच मोर्कल, पिता का हुआ निधन

नई दिल्ली। भारतीय टीम के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल चैंपियंस ट्रॉफी से एक दिन पहले अचानक से घर लौट गए हैं। दरअसल, मोर्कल के पिता का निधन हो गया है जिस कारण उन्हें टूर्नामेंट के बीच से स्वदेश लौटना पड़ा है। भारत चैंपियंस ट्रॉफी में अपने अभियान की शुरुआत गुरुवार को बांग्लादेश के खिलाफ मुकाबले से करेगा। भारत अपने सभी मुकाबले दुबई में खेलेगा क्योंकि उसने पाकिस्तान की यात्रा करने से इन्कार कर दिया था।

पिता के काफी करीब थे मोर्कल

मोर्कल को पारिवारिक इमरजेंसी के कारण अपने घर लौटना पड़ा है। भारतीय गेंदबाजी आक्रमण को गाइड करने के लिए मोर्कल की भूमिका अहम है। टीम में पहले से ही स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह शामिल नहीं हैं। मोर्कल अपने पिता के काफी करीब थे। उन्होंने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के एक वीडियो में बताया था कि भारत पहुंचने के बाद उन्होंने सबसे पहले अपने पिता को ही फोन किया था।

भारत ने शुरू की तैयारी

मोर्कल भले ही स्वदेश लौट गए हैं, लेकिन भारतीय टीम की नजरें अपने लक्ष्य पर हैं। भारत ने चैंपियंस ट्रॉफी के लिए तैयारियां शुरू कर दी हैं और दुबई पहुंचने पर जमकर अभ्यास किया है। खिलाड़ियों ने अभ्यास सत्र में समय बिताया और अपने कौशल पर काम किया। भारत के लिए विकेटकीपर बल्लेबाज केएल राहुल की फॉर्म काफी अहम है, ऐसे में उन्होंने भी जमकर पसीना बहाया और दूसरे अभ्यास सत्र के दौरान बड़े शॉट लगाने पर ध्यान केंद्रित किया। ऋषभ पंत प्लेइंग-11 में जगह बनाने के लिए जोर लगा रहे हैं और ऐसे में 32 वर्षीय राहुल अधिक सक्रिय और पावर हिटिंग मानसिकता को अपनाते हुए दिखाई दिए।

भारतीय बल्लेबाजी के मुख्य आधार विराट कोहली ने भी अपने कौशल को निखारने में समय बिताया। वह गेंद को बल्ले के बीच से और देर से खेलने की कोशिश करते हुए आत्मविश्वास से भरे दिखे। हालांकि रविवार को ट्रेनिंग के दौरान हार्दिक पांड्या के शॉट पर घुटने पर चोट लगने के बाद ऋषभ पंत संघर्ष करते हुए दिखाई दिए। उन्हें थोड़ा लंगड़ाते हुए देखा गया। उन्होंने विकेटकीपिंग और क्षेत्ररक्षण अभ्यास नहीं किया और जब वह बल्लेबाजी करने आए तो लय में भी नहीं दिखे।

फलस्तीनियों को बाहर निकाले बिना मिस्र की गाजा के पुनर्निर्माण की योजना

» काहिरा, भाषा।

गाजा से लोगों को हटाकर उसके विकास संबंधी अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रस्ताव के उलट मिस्र गाजा पट्टी से फलस्तीनियों को बाहर निकाले बिना गाजा के पुनर्निर्माण की योजना बना रहा है। मिस्र के सरकारी अखबार अल-अहरम ने कहा कि प्रस्ताव में गाजा के भीतर सुरक्षित क्षेत्र स्थापित करने की बात कही गई है जहां फलस्तीनी शुरुआत में रह सकते हैं, जबकि मिस्र और अंतरराष्ट्रीय निर्माण कंपनियां गाजा पट्टी से मलबे और अन्य ढांचों को हटाएंगी और फिर वहां निर्माण करेंगी। मिस्र के दो अधिकारियों और अरब एवं पश्चिमी राजनयिकों के अनुसार, मिस्र के अधिकारी यूरोपीय देशों के राजनयिकों के साथ-साथ सऊदी अरब, कतर और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के साथ भी इस योजना पर चर्चा कर रहे हैं।

मिस्र के एक अधिकारी और एक अरब राजनयिक ने नाम नहीं जाहिर करने की शर्त पर कहा कि वे पुनर्निर्माण के लिए धन जुटाने के तरीकों पर भी चर्चा कर रहे हैं। उनकी गाजा पुनर्निर्माण पर एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित करने की भी योजना है। यह प्रस्ताव ट्रंप द्वारा गाजा से लगभग 20 लाख लोगों को हटाने के आह्वान के मद्देनजर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हुए इसके विरोध के बाद आया है। ट्रंप ने कहा था कि अमेरिका गाजा पट्टी पर कब्जा करेगा और इसे रिवेरा ऑफ मिडल ईस्ट के रूप में फिर से बसाएगा लेकिन फलस्तीनियों को वापस आने की अनुमति नहीं दी जाएगी। वहीं फलस्तीनियों ने कहा है कि वे अपनी मातृभूमि नहीं छोड़ेंगे जबकि मिस्र और जॉर्डन ने गाजा की आबादी को अपने यहां बसाने के ट्रंप के आह्वान को अस्वीकार कर दिया है। मानवाधिकार समूहों ने कहा है कि यह योजना जनसांख्यिकीय संरचना को बदलने के उद्देश्य वाले किसी भी अन्य दृष्टिकोण या योजना का मुकाबला करने के लिए बनाया गया है।

जबरन निष्कासन के समान है, जो एक संभावित युद्ध अपराध है। यूरोपीय देशों ने भी ट्रंप की योजना की बड़े पैमाने पर निंदा की है। हालांकि, इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इस विचार की प्रशंसा की और कहा है कि इजराइल इसे लागू करने की तैयारी कर रहा है। क्षेत्र के दौरे के सिलसिले में सोमवार को सऊदी अरब में मौजूद अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि अमेरिका वैकल्पिक प्रस्तावों पर विचार करने के लिए तैयार है। मिस्र के अल-अहरम अखबार ने कहा कि पुनर्निर्माण का यह प्रस्ताव अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के तर्क का खंडन करने और गाजा पट्टी की भौगोलिक एवं

इजराइल के हमास और हिज्बुल्ला के साथ संघर्षविराम पर फिर छाए संकट के बादल

यरुशलम। इजराइल की सेना ने कहा है कि आतंकवादी संगठन हिज्बुल्ला के साथ संघर्षविराम की समय सीमा मंगलवार को समाप्त होने के बाद भी उसके सैनिक दक्षिणी लेबनान में पांच रणनीतिक स्थानों पर बने रहेंगे। लेबनान सरकार ने इस पर नाराजगी जताई है। वहीं गाजा में भी संघर्षविराम को लेकर अनिश्चितता बन गई है क्योंकि इजराइल और अमेरिका ने संघर्षविराम को जारी रखने अथवा इसे समाप्त करने के बारे में विरोधाभासी बातें कहीं हैं। हमास के साथ इजराइल के युद्ध के 500 दिन पूरे हो चुके हैं। इजराइली सेना को समझौते के तहत दक्षिणी लेबनान के बफर ज़ोन से हटना था और इस बफर जोन की निगरानी लेबनानी सेना और संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों को करनी थी। इजराइली सैन्य प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल नदाव शोशानी ने कहा कि इजराइल सही एवं क्रमिक तरीके से तथा इस बात को ध्यान में रखते हुए कि हमारे नागरिकों की सुरक्षा बनी रहे, वापसी के लिए प्रतिबद्ध है। वहीं लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ आउन ने कहा कि संघर्षविराम का सम्मान किया जाना चाहिए और इजराइली दुश्मन पर भरोसा नहीं किया जा सकता है। हिज्बुल्ला के नेता नईम कासिम ने रविवार को कहा था कि मंगलवार के बाद किसी भी तरह के विलंब का कोई बहाना नहीं चलेगा। हमास ने सात अक्टूबर 2023 को इजराइल पर हमला किया था और इस हमले के अगले दिन ही हिज्बुल्ला ने इजराइल में रॉकेट, ड्रोन और मिसाइलें दागनी शुरू कर दीं थीं। इजराइल-हिज्बुल्ला संघर्ष सितंबर में पूरी तरह से युद्ध में बदल गया था।

विमान में 76 यात्री और चालक दल के चार सदस्य सवार थे

टोरंटो में विमान दुर्घटनाग्रस्त सभी 80 यात्री सुरक्षित

» टोरंटो, भाषा।

टोरंटो के पियर्सन हवाई अड्डे पर सोमवार को एक विमान उतरते समय हवाई पट्टी पर पलट गया जिससे कुछ यात्री मामूली रूप से घायल हो गए। हवाई अड्डे के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) ने बताया कि विमान पर सवार सभी 80 लोग सुरक्षित हैं। मिनियापोलिस से आ रहे, विमानन कंपनी डेल्टा एयरलाइंस के विमान को दोपहर करीब दो बजकर 15 मिनट पर रनवे पर उतारने की कोशिश की गई। इस विमान में 76 यात्री और चालक दल के चार सदस्य सवार थे। प्राधिकारियों ने कहा कि दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है। सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए वीडियो मे नजर आ रहा है कि मित्सुबिशी सीआरजे-900एलआर पलट गया है और अग्निशामक दल आग को बुझा रहा है, तथायात्री बाहर निकल गए है। ग्रेटर टोरंटो एयरपोर्ट अथॉरिटी के सीईओ डेबोरा फ्लिंट ने पत्रकारों को बताया, इस बात से राहत मिली है कि जान-माल की कोई हानि नहीं हुई और यात्रियों को मामूली चोटें आईं।

टोरंटो पियर्सन फायर विभाग के प्रमुख टॉड ऐटकेन ने बताया कि 18 यात्रियों को अस्पताल ले जाया गया है। इससे पहले ऑर्न्ज एयर एम्बुलेंस ने कहा कि घायल हुए एक बच्चे को टोरंटो के सिककिड्स अस्पताल और दो घायल वयस्कों को शहर के अन्य अस्पतालों में ले जाया जा रहा है। टावर नियंत्रक द्वारा उस मेडिकल हेलीकॉप्टर के चालक दल से बात की गई जो दुर्घटनास्थल पर मदद के लिए गया था। टावर नियंत्रक ने कहा, आपको जानकारी है, बाहर विमान के चारों ओर लोग घूम रहे हैं। हेलीकॉप्टर के पायलट ने जवाब दिया, हां, हमें पता चल गया है।

विमान उल्टा पड़ा है और जल रहा है। कनाडा के मौसम विभाग के अनुसार, हवाई अड्डे पर बर्फबारी हो रही थी और 51 किलोमीटर प्रति घंटे से लेकर 65 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल रही थीं। तापमान शून्य से लगभग 8.6 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। टोरंटो पियर्सन इंटरनेशनल एयरपोर्ट के टावर से प्राप्त ऑडियो रिकॉर्डिंग से पता चलता है कि स्थानीय समयानुसार दोपहर करीब दो बजकर 10 मिनट पर विमान को उतरने की अनुमति दी गई थी। टावर ने विमान के उतरने के समय पायलट को संभावित वायु प्रवाह बाधा के बारे में चेतावनी दी थी। अमेरिकी संघीय विमानन प्रशासन ने एक बयान में कहा कि कनाडा का परिवहन सुरक्षा बोर्ड जांच का नेतृत्व करेगा और सभी अद्यतन जानकारी उपलब्ध कराएगा। अमेरिका में एनटीएसबी ने कहा कि वह कनाडाई जांच में सहायता के लिए एक टीम का नेतृत्व कर रहा है।

मेक्सिको को मुकदमा दायर करने से पहले नाम विवाद पर गूगल से नए जवाब का इंतजार

» मेक्सिको सिटी, भाषा।

मेक्सिको ने सोमवार को कहा कि वह प्रौद्योगिकी कंपनी गूगल से अपने अनुरोध पर नए जवाब का इंतजार कर रहा है कि कंपनी मुकदमा दायर करने से पहले अपनी गूगल मैप सेवा में मेक्सिको की खाड़ी नाम को पूरी तरह से बहाल कर दे। राष्ट्रपति क्लाउडिया शिनबाम ने गूगल के सरकारी मामलों और सार्वजनिक नीति के उपाध्यक्ष क्रिस टर्नर द्वारा अपनी सरकार को संबोधित एक पत्र साझा किया। इसमें कहा गया है कि गूगल अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा जल निकाय को अमेरिका की खाड़ी घोषित करने के बाद उल्लिखित नीति को नहीं बदलेगा। शिनबाम ने सुबह संवाददाता सम्मेलन में कहा, हम गूगल के जवाब का इंतजार करेंगे और यदि जवाब नहीं मिला तो हम अदालत जाएंगे।

जैसा कि वर्तमान में है, गूगल मैप में खाड़ी अमेरिका में अमेरिका की खाड़ी के रूप में, मेक्सिको के भीतर मेक्सिको की खाड़ी के रूप में और अन्य जगहों पर मेक्सिको की खाड़ी (अमेरिका की खाड़ी) के रूप में दिखाई देती है। टर्नर ने अपने पत्र में कहा कि कंपनी सभी क्षेत्रों में निष्पक्ष और सुसंगत रूप से दीर्घकालिक मानचित्र

नीतियों का पालन करने के लिए अमेरिका की खाड़ी का उपयोग कर रही है और कंपनी मैक्सिकन सरकार के साथ व्यक्तिगत रूप से मिलने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, यद्यपि अंतरराष्ट्रीय संधियों और सम्मेलनों का उद्देश्य यह विनियमित करना नहीं है कि निजी मानचित्रण प्रदाता भौगोलिक विशेषताओं का प्रतिनिधित्व कैसे करते हैं, फिर भी हमारी यह सतत नीति है कि विश्व का सबसे अद्यतन और सटीक प्रतिनिधित्व प्रदान करने के लिए अनेक आधिकारिक स्रोतों से परामर्श किया जाए।

इजराइली सेना के वापस जाने के बाद दक्षिणी लेबनान के ग्रामीण घर लौटने की तैयारी में

डियर मीमास (लेबनान)। इजराइली सेनाएं मंगलवार को दक्षिणी लेबनान के सीमावर्ती गांवों से वापस लौट गई। यह वापसी अमेरिका की मध्यस्थता में हुए युद्ध विराम समझौते में तय समय सीमा के अंतर्गत हुई, जिसके साथ ही इजरायल-हिजबुल्लाह के बीच नवीनतम युद्ध समाप्त हो गया। लेबनानी सैनिक उन इलाकों में पहुंच गए हैं जहां से इजरायली सैनिक वापस चले गए थे और उन्होंने इजराइली सेना द्वारा लगाए गए अवरोधों को हटाना शुरू कर दिया है। साथ ही वे बिना विस्फोटकों की जांच कर रहे हैं। उन्होंने गांवों की ओर जाने वाली मुख्य सड़क को बंद कर दिया ताकि किसी को भी अंदर जाने से रोका जा सके। ऐसा सेना द्वारा वहां मौजूद विस्फोटकों की तलाश कर उन्हें नष्ट करने के मद्देनजर किया गया है। गांव के अधिकांश लोग अपने घरों की जांच करने के लिए सड़क के किनारे अनुमति का इंतजार कर रहे थे, लेकिन कुछ लोग सड़क के अवरोधकों को हटाकर अंदर चले गए। हालांकि, इजरायली सैनिक लेबनान के अंदर पांच रणनीतिक निगरानी बिंदुओं पर बने हुए हैं। यह लेबनानी अधिकारियों और उग्रवादी गुट हिजबुल्लाह समूह के लिए एक गंभीर मुद्दा है, जिन्होंने कहा है कि इजरायल को मंगलवार तक पूरी तरह से वापस लौटना होगा। इजरायल के रक्षा मंत्री इजराइल कात्ज ने कहा कि इजराइली सेना हिजबुल्लाह द्वारा किसी भी संघर्ष विराम उल्लंघन पर नजर रखने के लिए लेबनान में पांच नियंत्रण चौकियों के बफर जोन में रहेगी। अक्टूबर 2023 के बाद पहली बार, मंगलवार की सुबह सैकड़ों ग्रामीण लेबनान के गांवों डियर मीमास और कफर किला के पास एकत्र हुए थे। अतेफ अरबी अपनी पत्नी और दो बेटियों के साथ सूर्योदय से पहले से इंतजार कर रहे थे और वह कफर किला में अपने घर में बची हुई चीजों को देखने के लिए उत्सुक थे। कार मैकेनिक (36) ने कहा, मैं बहुत खुश हूं कि मैं वापस जा रहा हूं, भले ही मेरा घर नष्ट हो गया हो। उन्होंने कहा, अगर मेरा घर नष्ट हो गया तो मैं इसे फिर से बनाऊंगा।

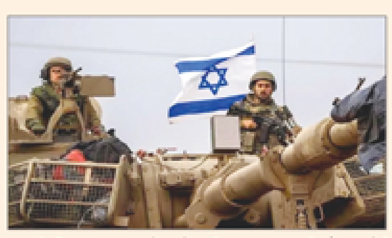

कोस्टा रिका ने अवैध प्रवासियों को उनके देश वापस भेजने में सहयोग करने पर सहमति व्यक्त की

सैन जोस। कोस्टा रिका ने भारत और मध्य एशिया के अवैध प्रवासियों को अमेरिका से वापस भेजे जाने में एक पुल के रूप में काम करने पर सहमति व्यक्त की है। यह जानकारी मंगलवार को जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति में दी गई। कोस्टा रिका के राष्ट्रपति रोड्रिगो चावेस रोबल्स के कार्यालय द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, 200 प्रवासियों का पहला समूह बुधवार को एक वाणिज्यिक उड़ान से जुआन सांतामारिया अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचेगा। बयान में कहा गया, कोस्टा रिका सरकार ने 200 अवैध प्रवासियों को उनके देश वापस भेजने में अमेरिका के साथ सहयोग करने पर सहमति व्यक्त की है। ये लोग मध्य एशिया के देशों और भारत से हैं। विज्ञप्ति में यह नहीं बताया गया कि उनमें से कितने लोग भारत से हैं। इसमें कहा गया है, कोस्टा रिका अवैध प्रवासियों के लिए उनके मूल देशों तक पहुंचने के लिए सेतु का काम करेगा।

न्यूज ब्रीफ

नाइजीरिया में विद्रोहियों को निशाना बनाकर किए गए सैन्य हवाई हमले में कई नागरिकों की मौत

» अबुजा, भाषा।

नाइजीरिया में विद्रोहियो द्वारा पुलिस को निशाना बना कर हमले किए जाने के बाद सैन्य बलों ने विद्रोहियो पर हमले किए जिसमें कई आम नागरिक मारे गए। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। नाइजीरियाई वायु सेना ने कटसीना राज्य के सफाना क्षेत्र में मारे गए नागरिकों की संख्या का खुलासा नहीं किया लेकिन प्रवक्ता ओलुसोला अकिनबोएवा ने एक बयान में कहा कि हताहतों की संख्या पता लगाई जा रही है। अकिनबोएवा ने नागरिकों के हताहत होने की खबर को बेहद परेशान करने वाला बताया और कहा कि वायु सेना ने पुलिस पर विद्रोहियों के हमले के जवाब में यह हमला किया है। वहीं अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार समूह एमनेस्टी इंटरनेशनल ने रविवार को एक बयान में कहा कि हवाई हमले में कम से कम 10 लोग मारे गए।

मानवाधिकार समूह ने हवाई हमले को नाइजीरियाई सेना की ओर से मानवाधिकारों के उल्लंघन की कड़ी में नई घटना बताया और सरकार से इसकी स्वतंत्र जांच कराने का आग्रह किया। इस वर्ष यह दूसरी बार है जब नाइजीरिया के अशांत उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र में सैन्य हवाई हमले में आम नागरिक मारे गए। नाइजीरिया की सेना अक्सर देश के उत्तरी हिस्से में अस्थिरता पैदा करने वाले चरमपंथियों का खात्मा करने के लिए हवाई हमले करती है। लागोस के एसबीएम इंटेलिजेंस रिसर्च फर्म के अनुसार 2017 से अब तक हवाई हमलों में करीब 400 नागरिक मारे गए हैं।

रूस और अमेरिका के शीर्ष अधिकारियों ने कीव के बिना यूक्रेन युद्ध पर बातचीत के लिए मुलाकात की

» रियाद, भाषा।

रूस और अमेरिका के शीर्ष अधिकारियों ने मंगलवार को सऊदी अरब में मुलाकात की और यूक्रेन में युद्ध को समाप्त करने तथा संबंधों को बेहतर बनाने के लिए बातचीत शुरू की। रियाद के दिरियाह पैलेस में हुई यह बैठक ट्रंप प्रशासन द्वारा रूस को अलग-थलग करने की अमेरिकी नीति को बदलने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है तथा इसका उद्देश्य अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच बैठक का मार्ग प्रशस्त करना है।

इस महीने की शुरुआत में ट्रंप ने यूक्रेन और रूस के प्रति अमेरिकी नीति को यह कहकर बदल दिया था कि वह और पुतिन युद्ध को समाप्त करने के लिए बातचीत शुरू करने पर सहमत हो गए हैं। यूक्रेनी अधिकारियों ने बैठक में भाग नहीं लिया और यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने सोमवार को कहा कि अगर कीव भाग नहीं लेता है तो उनका देश परिणाम को स्वीकार नहीं करेगा। रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव और पुतिन के विदेश मामलों के सलाहकार यूरी उशाकोव सोमवार रात सऊदी राजधानी पहुंचे। उशाकोव ने कहा कि वार्ता पूरी तरह से द्विपक्षीय होगी और इसमें यूक्रेनी अधिकारी शामिल नहीं होंगे। विदेश विभाग के प्रवक्ता टैमी ब्रूस ने बताया कि अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार माइक वाल्ट्ज और विशेष दूत स्टीव विटकॉफ रूसी प्रतिनिधिमंडल से मिलेंगे।यह वार्ता अमेरिका-रूस संबंधों में उल्लेखनीय विस्तार का प्रतीक है, जो लगभग तीन वर्षों से जारी युद्ध के बाद हुई है। इस युद्ध के कारण अमेरिका-रूस संबंध दशकों में सबसे खराब स्तर पर पहुंचे हुए हैं।

यूक्रेन को उसकी ही शांति वार्ता में नहीं बुलाया

एडिलेड। सऊदी अरब में अमेरिकी और रूसी अधिकारियों के बीच इस हफ्ते होने वाली महत्वपूर्ण बैठक में यूक्रेन को आमंत्रित नहीं किया गया है जबकि बैठक में यह तय होना है कि इस देश (यूक्रेन) में शांति कैसे लौटेगी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा कि रूस के साथ तीन वर्ष से जारी युद्ध को समाप्त करने के लिए उसकी (यूक्रेन की) बिना भागीदारी वाली वार्ता में लिए गए किसी भी निर्णय को कभी स्वीकार नहीं करेगा। वार्ता में यूक्रेन के बिना यूक्रेनी लोगों की संप्रभुता को लेकर बातचीत में लिए जाने वाले निर्णय, साथ ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा यूक्रेन की दुर्लभ खनिज संपदा के आधे हिस्से को अमेरिकी समर्थन के लिए कीमत के रूप में दावा करने का स्पष्ट रूप से जबरन वसूली का प्रयास इस बात को बताता है कि वह (ट्रंप) यूक्रेन और यूरोप को किस तरह देखते हैं। लेकिन यह पहली बार नहीं है जब बड़ी शक्तियों ने वहां रहने वाले लोगों की राय के बिना नई सीमाओं या प्रभाव के क्षेत्रों पर बातचीत करने के लिए सांठगांठ की है। इस तरह की निरंकुश सत्ता की राजनीति से प्रभावितों का शायद ही कभी भला होता है।

ट्रंप प्रशासन ने घातक विमान दुर्घटना के बाद विमानन कर्मचारियों को नौकरी से निकालना शुरु किया

वाशिंगटन। अमेरिका में संघीय विमानन प्रशासन के कई कर्मचारियों को नौकरी से निकाला जा रहा है, जिससे सप्ताहांत में कर्मचारियों की संख्या में कमी आई है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने जनवरी में रोनाल्ड रीगन वाशिंगटन राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हुई घातक दुर्घटना के कुछ सप्ताह बाद यह कदम उठाया है। प्रोफेशनल एविएशन सेफ्टी स्पेशलिस्ट्स यूनियन के अध्यक्ष डेविड स्पेरो ने एक बयान में कहा कि परिवीक्षाधीन कर्मचारियों को देर रात ईमेल भेजे गए जिसमें उन्हें सूचित किया गया कि उन्हें नौकरी से निकाल दिया गया है।

उत्तर कोरिया ने की अमेरिका, एशियाई देशों की आलोचना

» सियोल, भाषा।

उत्तर कोरिया ने उसके परमाणु कार्यक्रमों को रोकने की बेतुकी योजना के लिए अमेरिका एवं अपने एशियाई पड़ोसी देशों की मंगलवार को आलोचना की और कहा कि वह अपने नेता किम जोंग उन के नेतृत्व में अपने परमाणु ताकत का विस्तार करने के प्रयास करेगा। उत्तर कोरिया के विदेश मंत्रालय का यह बयान अमेरिका, दक्षिण कोरिया और जापान के शीर्ष राजनयिकों द्वारा जर्मनी में एक सुरक्षा सम्मेलन में मुलाकात के बाद आया है।

जिसमें उन्होंने उत्तर कोरिया की परमाणु महत्वाकांक्षाओं का मुकाबला करने के लिए सैन्य सहयोग को मजबूत करने तथा अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध व्यवस्था को सुदृढ़ करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की थी। मंत्रालय ने अमेरिका पर उत्तर कोरिया को परमाणु हथियार बनाने से रोकने की उसकी पुरानी और बेतुकी योजना को अमल में लाने का प्रयास करने का आरोप लगाया और चेतावनी दी कि अगर उसे लगेगा कि उसकी सुरक्षा खतरे में है तो वह अपने प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ निर्णायक जवाबी कार्रवाई करेगा।

पाकिस्तान

घायलों और मृतकों को अस्पताल ले जाया गया, जहां एक घायल की हालत गंभीर

हिंसा प्रभावित कुर्म में हुए हमले में अर्धसैनिक बलों के चार जवानों की मौत, पांच घायल

» पेशावर (पाकिस्तान), भाषा।

पाकिस्तान के हिंसा प्रभावित कुर्म में अज्ञात उग्रवादियों द्वारा अर्धसैनिक बल के दस्ते पर किए गए हमले में चार जवान मारे गए और पांच अन्य घायल हो गए। उग्रवादियों ने यहां राहत सामग्री ले जा रहे काफिले को भी निशाना बनाया। सुरक्षा अधिकारियों के अनुसार, उग्रवादियों ने सोमवार देर रात लोअर कुर्म के ओचित क्षेत्र में अर्धसैनिक कुर्म मिलिशिया दस्ते पर घात लगाकर हमला किया। यहां दिन में भी आवश्यक सामग्री ले जा रहे काफिले पर घात लगाकर हमला किया गया था। घायलों और मृतकों को अस्पताल ले जाया गया, जहां एक घायल की हालत गंभीर बताई गई है।

ऐसी स्थिति में आमतौर पर बयान जारी करने वाली सेना ने अभी तक कोई टिप्पणी नहीं की है। अधिकारियों के अनुसार खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के सांप्रदायिक हिंसा प्रभावित कुर्म जिले

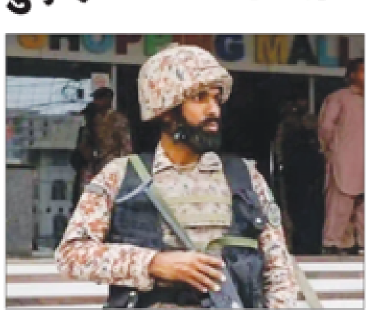

में राहत सामग्री ले जा रहे काफिले पर हुए हमले में एक ट्रक चालक की मौत हो गई और 15 अन्य घायल हो गए। इसके बाद देर रात एक और घायल की मौत हो गई, जिसके साथ ही मरने वालों की संख्या दो हो गई। थल से कुर्म जा रहे काफिले पर रास्ते में कई जगह हमला किया गया, जिसके कारण अधिकारियों को एहतियात के तौर पर 64 वाहनों के काफिले को वापस हांगू की ओर मोड़ना पड़ा।

पुलिस के वाहन पर हमला, गोलीबारी में आतंकवादी मारा गया

पेशावर। पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में पुलिस की मोबाइल वैन पर हथगोले से किए गए हमले में पुलिस का एक कर्मी घायल हो गया और जवाबी गोलीबारी के दौरान एक आतंकवादी मारा गया। मीडिया की एक खबर में मंगलवार को यह जानकारी दी गई। जियो न्यूज की खबर के अनुसार, यह हमला कोहाट जिले के शादीपुर इलाके में किया गया। खबर में अधिकारियों के हवाले से कहा गया है कि घात लगाकर किए गए इस हमले में पुलिस का एक कर्मी घायल हो गया जबकि जवाबी गोलीबारी में एक आतंकवादी मारा गया। हमले के बाद कई आतंकवादियों को गिरफ्तार कर लिया गया और उनके पास से हथगोले और अन्य हथियार बरामद किए गए। खबर में कहा गया है कि हमले में शामिल आतंकवादियों के बारे में खुफिया जानकारी प्राप्त करने के लिए तलाशी अभियान जारी है। पाकिस्तान में आतंकी हमलों में बढ़ोतरी हुई है और वह नियमित रूप से तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के खतरे से निपटने में निष्क्रियता के लिए अफगान सरकार को दोषी ठहराता है। आतंकवाद के मुद्दे पर इस्लामाबाद और काबुल के बीच संबंध खराब हो गए हैं।

तुर्किए में पीकेके के खिलाफ बड़े अभियान में 282 संदिग्ध गिरफ्तार

» अंकारा, भाषा।

तुर्किए पुलिस ने प्रतिबंधित कुर्दिस्तान वर्कर्स पार्टी के खिलाफ चलाए गए बड़े अभियान के तहत पिछले पांच दिनों में 282 संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। तुर्किए के गृह मंत्री अली यरलिकाया ने मंगलवार को यह जानकारी दी। मंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि संदिग्धों को 51 प्रांतों से गिरफ्तार किया गया है। अंकारा और कुर्दिस्तान वर्कर्स पार्टी के बीच दशकों से चले आ रहे संघर्ष को समाप्त करने के लिए नए प्रयास किए जा रहे हैं। इस संघर्ष में अब तक हजारों लोगों की जान जा चुकी है। माना जा रहा है कि इन प्रयासों के तहत कुर्दिस्तान वर्कर्स पार्टी के जेल में बंद नेता अब्दुल्ला ओकालान अपने संगठन से हथियार डालने की अपील कर सकते हैं।

यरलिकाया ने कहा कि गिरफ्तार किए गए लोग कुर्दिस्तान वर्कर्स पार्टी को आर्थिक सहायता प्रदान करने, संगठन के लिए सदस्य भर्ती करने, प्रचार करने और हिंसक सड़क प्रदर्शनों में शामिल होने के संदेह में पकड़े गए हैं। मंत्री ने बताया कि छापेमारी के दौरान पुलिस ने दो एके-47 असॉल्ट राइफल और अन्य हथियार भी जब्त किए हैं। तुर्किए के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोआन की सरकार ने

हाल के महीनों में विपक्ष के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है जिसमें पत्रकारों और राजनेताओं सहित कई लोगों की गिरफ्तारियां की गई हैं। कई निर्वाचित कुर्दिश मेयरों को उनके पद से हटा दिया गया है और कथित रूप से कुर्दिस्तान वर्कर्स पार्टी से संबंध रखने के आरोप में उनकी जगह राज्य द्वारा नियुक्त अधिकारियों को तैनात किया गया है। ताजा मामला शनिवार का है जब पूर्वी तुर्किए के वान नगर पालिका के मेयर को उनके पद से हटा दिया गया और उनकी जगह राज्यपाल को नियुक्त कर दिया गया। कुर्दिस्तान वर्कर्स पार्टी तुर्किए में दशकों से विद्रोह चला रही है और उसे तुर्किए के सहयोगी देशों द्वारा एक आतंकवादी संगठन करार दिया गया है।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,